हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

तापमान

अधिकतम 38 .5 डिग्री से.
न्यूनतम 25 .4 डिग्री से.

12 मानसून की पहली बरसात से मौसम सुहावना

12 एसए जैन स्कूल में किया पौधारोपण, पर्यायवरण ..

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति की मौत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर शनिवार को एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान करीब 37 वर्षीय चिराग, निवासी पिहोवा, के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही जीआरपी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी पुलिस ने मृतक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

हेरोइन और रुपयों के साथ युवक गिरफ्तार

यमुनानगर। एंटी नारकोटिक सेल ने कलानौर बॉर्डर के पास से गांव रायपुर निवासी आमिरदीन उर्फ सोनू को 35 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद हेरोइन की कीमत करीब 95 हजार रुपये बताई गई है। पीएसआई आशीष ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि आरोपी उत्तर प्रदेश से नशीला पदार्थ लेकर यमुनानगर आएगा। सूचना के आधार पर पुलिस ने कलानौर बॉर्डर पर नाकाबंदी की। कुछ देर बाद बाइक पर आए युवक को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें उसके कब्जे से हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

फर्जी एससी प्रमाणपत्र बनवाने के आरोप, केस

यमुनानगर। शहर के प्यारा चौक निवासी अमित कुमार, उनकी पत्नी अनीता व परिवार के अन्य सदस्यों पर धोखे से अनुसूचित जाति (एससी) का प्रमाणपत्र बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता शिवाजी पार्क, मॉडल टाउन निवासी हिमांशु सचदेवा ने आरोप लगाया कि आरोपी पंजाबी खत्री समुदाय से हैं, जो सामान्य वर्ग में आता है। इसके बावजूद उन्होंने कथित रूप से जाली एससी प्रमाणपत्र बनवाकर उसे असली के रूप में इस्तेमाल किया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच की। प्रारंभिक जांच में आधार मिलने पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

अवैध देसी कट्टा व जिंदा राउंड के साथ युवक धरा

यमुनानगर। सीआईए-वन पुलिस ने गांव महलावाली के पास से मारवां कलां निवासी मोहित चौहान को अवैध देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। सिपाही मनीष कुमार ने बताया कि गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि एक युवक संदिग्ध हालत में घूम रहा है और किसी वारदात की फिराक में है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पानीपतः फायरिंग के दो आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए वन पुलिस ने समालखा क्षेत्र के हथवाला गांव में रिंकू पर फायरिंग कर जानलेवा हमला व मारपीट करने मामले में दो आरोपियों कपिल व अंकित निवासी गांव हथवाला को गिरफ्तार किया है। थानेदार फूल कुमार ने बताया कि पूछताछ में दोनों आरोपियों ने मामले में पहले गिरफ्तार हो चुके अपने सात साथी आरोपियों चुलकाना निवासी रवि उर्फ कमांडो, समालखा शास्त्री कॉलोनी निवासी सुमित उर्फ बांदरी, डिकाडला निवासी भूपेंद्र, हथवाला निवासी राहुल व बंटी और बापौली निवासी आर्यन व लक्की के साथ मिलकर उक्त वारदात को अंजाम देना स्वीकारा। रिंकू की शिकायत पर केस दर्ज है।

भाजपा नेता की फैक्ट्री में भीषण आग से मचा हड़कंप

कर्मचारियों ने समय रहते केमिकल के ड्रमों को बाहर निकालकर बड़ा हादसा और विस्फोट टाला

कारणों की जांच शुरू, भारी नुकसान की आशंका

फैक्ट्री से उठता काला धुआं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

करनाल के मेरठ रोड स्थित भाजपा नेता एवं उद्योगपति सतीश गुप्ता की श्री राम एग्रो फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग देखते ही देखते पूरे परिसर में फैल गई और फैक्ट्री से उठता काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फैक्ट्री कर्मचारियों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफल नहीं रहे। मौके पर पहुंची दमकल कर्मियों ने कई घंटे के प्रयास के बाद नियंत्रण पाया।

केमिकल से भरे ड्रम बड़ी चिंता

फैक्ट्री परिसर में रखे केमिकल से भरे ड्रम आग के बीच सबसे बड़ी चिंता बने हुए थे। दमकल कर्मियों और फैक्ट्री कर्मचारियों ने जोखिम उठाकर इन ड्रमों को समय रहते बाहर निकाल लिया, जिससे किसी बड़े विस्फोट या जनहानि की आशंका टल गई। एहतियात के तौर पर मेरठ रोड के एक हिस्से पर यातायात भी कुछ समय के लिए रोक दिया गया और आसपास मौजूद लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने की सलाह दी गई। साथ ही पेट्रोल पंपों को भी सतर्क कर आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाने के निर्देश दिए गए।

आग लगने के कारणों की जांच शुरू

फायर ब्रिगेड अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है। फैक्ट्री में हुए नुकसान का आकलन भी किया जा रहा है। शुरुआती अनुमान के अनुसार आग से लाखों रुपये का नुकसान होने की आशंका है।

फायर विभाग की टीम ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए

फैक्ट्री मालिक सतीश गुप्ता ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और राहत कार्य की निगरानी की। पुलिस और फायर विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीएम नायब सिंह सैनी बोले सरकार ने 66 वादों को किया पूरा, 151 पर चल रहा है काम

लाडवा और घडौली में विकास कार्यों के लिए करोड़ों की दी सौगात

500 रुपये गैस सिलेंडर और एमएसपी खरीद जैसी योजनाओं का किया जिक्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पिछले 12 वर्षों में तेजी से विकास कर रहा है और प्रदेश भी डबल इंजन सरकार के तहत नए विकास आयाम छू रहा है। वे शनिवार को लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांवों में जनसंपर्क के दौरान लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि चुनाव के समय किए गए 217 संकल्पों में से 66 वादे पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 151 पर तेज गति से कार्य जारी है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा जनता से झूठे वादे किए और सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया, जिसके कारण जनता ने निकाय चुनाव में भी उन्हें नकार दिया। उन्होंने खेड़ी दाबदलान और घडौली गांव में विकास कार्यों के लिए कई घोषणाएं कीं। इनमें दोनों गांवों के लिए 21-21 लाख रुपये की विकास राशि, पेयजल के लिए ट्यूबवेल तथा जल निकासी व्यवस्था शामिल है। उन्होंने सरपंचों की मांगों को पूरा करने का आश्वासन देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों का शहरों की तर्ज पर विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि किडनी मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क डायलिसिस सुविधा शुरू की जाएगी। किसानों की सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। जरूरतमंद महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर और 2100 रुपये मासिक सहायता दी जा रही है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 1650 करोड़ रुपये लाभार्थियों के खातों में भेजे जा चुके हैं। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में मिशन बुनियाद और सुपर-100 कार्यक्रम की सराहना की, जिसके तहत सैकड़ों विद्यार्थियों का चयन आईआईटी और एनआईटी जैसे संस्थानों में हुआ है।

कुरुक्षेत्र। लाडवा विधानसभा क्षेत्र के गांव घड़ोला में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

2029 में भी बनेगी चौथी बार सरकार

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार विकास कार्यों और जनकल्याणकारी नीतियों के बल पर 2029 में भी चौथी बार सरकार बनाएगी। वे गांव भालड़, धनौरा जाटान और भैणी में विकास कार्यों के लिए आयोजित कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने तीनों गांवों के लिए कुल 1 करोड़ 8 लाख रुपये की विकास घोषणाएं कीं और लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार ने 217 संकल्पों में से 66 पूरे कर दिए हैं और शेष पर तेजी से काम चल रहा है।

मौजूद रहे

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रभारी कैलाश सैनी, चेयरमैन सुभाष कलसाना, रविंद्र सांगवान, तुषार सैनी, चेयरमैन डॉ गणेश दत्त, जिप चेयरपर्सन कंवलजीत कौर, मंडल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह, जिला अध्यक्ष रमेश सैनी, सरपंच सूरज अहेरिया, सरपंच बलजोर सिंह, जगदीप, सुरजीत,रामकुमार सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

मोबाइल किस्त विवाद में थार सवार युवकों पर हमला

■ क्रेटा और फॉर्च्यूनर सवार आरोपियों ने दिया अंजाम

साहा। मोबाइल की किस्तों को लेकर हुए पुराने विवाद में थार गाड़ी सवार युवकों पर जानलेवा हमला किया गया। हमलावरों ने क्रेटा और फॉर्च्यूनर गाड़ियों से पीछा कर दो अलग-अलग स्थानों पर थार को घेर लिया और ईंटों व तलवारों से हमला कर दिया, जिससे गाड़ी के सभी शीशे टूट गए और उसमें बैठी एक युवती घायल हो गई। पीड़ित साहिल निवासी गांव लदाना ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मोहाली में बाइक राइडर का काम करता है। उसके दोस्त गगनदीप द्वारा एक मोबाइल की किस्तें न भरने के कारण दुकान संचालक लाली से विवाद हो गया था, जिससे रंजिश बढ़ गई।साहिल के अनुसार 2 जुलाई की रात वह अपने दोस्तों के साथ केसरी गांव के पास रुका था, तभी आरोपियों ने वहां पहुंचकर हमला कर दिया। इसके बाद क्रेटा और फॉर्च्यूनर से पीछा करते हुए शाहबाद-साहा रोड पर दोबारा घेरकर तलवारों से वार किया गया। हमले में गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और महक नामक युवती घायल हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर लाली, रोहित, सेवक व अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुवि इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने राष्ट्रीय रैंकिंग में बनाई पहचान

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग ने अपने पहले ही प्रयास में राष्ट्रीय स्तर पर शानदार उपलब्धि दर्ज की है। इंडिया टुडे-एमडीआरए बेस्ट कॉलेजेज ऑफ इंडिया 2026 इंजीनियरिंग कॉलेज रैंकिंग में विभाग ने सरकारी एवं निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों की श्रेणी में देशभर में 32वां स्थान प्राप्त किया है। इसके अलावा 308 संस्थानों की समग्र (ओवरऑल) श्रेणी में विभाग को 129वीं रैंक मिली है। यह उपलब्धि विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान कार्यों और शिक्षण उत्कृष्टता का प्रमाण मानी जा रही है।कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेव ने इस उपलब्धि पर विभाग को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता शिक्षकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की मेहनत व समर्पण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि भविष्य में विभाग और बेहतर प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करेगा।

रादौर में पुलिस पर हमले के मुख्य आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

रादौर। छोटाबांस की डेहा बस्ती में 16 जून को करनाल पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में मुख्य आरोपी समेत पांच आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका अदालत ने खारिज कर दी है। थाना रादौर प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश राणा ने बताया कि पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने गई थी, तभी ईंट-पत्थरों से हमला किया गया था। मामले में 15 लोगों के खिलाफ केस दर्ज है। अदालत में सरकार की ओर से पेश दलीलों के बाद जमानत याचिकाएं खारिज की गईं। पुलिस ने कहा कि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

एक्टिवा सवार महिला का पर्स छीनकर बाइक चालक फरार नीचे गिर महिला जख्मी

अंबाला। एसडी कॉलेज के निकट दोपहर में एक बाइक सवार बदमाश ने दिनदहाड़े एक्टिवा सवार सलारहेड़ी गांव की रेशमा देवी (36) का पर्स झपट लिया। इससे महिला असंतुलित होकर सड़क पर गिर गई। बेसुध महिला को उपचार के लिए कैंट के नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां महिला के सिर पर गहरी लगने के कारण दो टांके आए। अंबाला कैंट थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस इलाके के सीसीटीवी भी खंगाल रही हैं। सलारहेड़ी की रेशमा देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके पति करीब तीन साल से विदेश में काम करते हैं। दोपहर करीब 12:30 बजे वह अपने निजी काम से एक्टिवा पर अंबाला छावनी आ रही थीं। एसडी कॉलेज के पास देव आई क्लीनिक के समीप पीछे से बाइक पर आए एक युवक ने पर्स खींच लिया और गिर गई। पर्स में मोबाइल फोन व 12 हजार रुपये की नकदी व दो सिम थे।

साधु का भेष बनाकर स्नैचिंग करने वाले गिरोह के दो और आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। स्पेशल स्टाफ पुलिस टीम ने हाईवे पर साधु का भेष बनाकर पानी मांगने के बहाने स्नैचिंग करने वाले गिरोह के दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्पेशल सेल इंचार्ज रमन चंदेल ने बताया कि इससे पहले दढ़वा माजरी डेहा बस्ती निवासी अमीरचंद को पकड़ा गया था, जिसने पूछताछ में खुलासा किया था कि वह साधु के भेष में वाहन रुकवाकर स्नैचिंग करता था। उसके दो साथी राहुल और कुलदीप बाइक पर साथ रहते थे और वारदात के बाद फरार हो जाते थे। पुलिस ने दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया है।

जठलाना व उन्हेड़ी पंचायतों का कड़ा रुख

अवैध खनन रोकने को खोदे रास्ते

रादौर। जठलाना क्षेत्र में यमुना नदी में हो रहे अवैध खनन को रोकने के लिए अब संबंधित ग्राम पंचायतों ने कमर कस ली है। ग्राम पंचायत जठलाना व ग्राम पंचायत उन्हेड़ी ने संयुक्त रुप से अपने अपने क्षेत्र में अवैध खनन करने के लिए जाने वाले यमुना नदी के रास्तों पर जेसीबी मशीन की मदद से खंडके बना दी हैं। ताकि कोई भी अवैध खनन करके वहां से वाहन नहीं गुजर सके। गांव उन्हेडी के सरपंच प्रतिनिधि मोहित राणा व जठलाना ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि बीर सिंह ने बताया कि एसडीएम रादौर के आदेशानुसार अवैध खनन को रोकने के लिए ग्राम पंचायत उन्हेड़ी व ग्राम पंचायत जठलाना ने साथ मिलकर यमुना नदी पर जाने वाले सभी रास्तों पर खुदाई करके खंडकें बना दी गई हैं। ताकि अवैध खनन न हो सके। उन्होंने बताया कि अवैध खनन की रोकथाम के लिए रात के समय में पहरा भी लगाया गया है। ताकि रात्रि के समय अवैध खनन करने वालों को पकड़ा जा सके और उन पर कार्रवाई की जा सके।

यमुनानगर। जठलाना क्षेत्र में यमुनानदी रास्तों पर जेसीबी मशीन से खुदाई करवाते सरपंच प्रतिनिधि।

465 करोड़ रुपये की लागत से पहले चरण का निर्माण, ढाई वर्ष में होगा पूरा

साइट सर्वे शुरू पर्यावरणीय एनओसी के बाद निर्माण होगा आरंभ

देश के पहले श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर का निर्माण जल्द शुरू होगा

■ प्रशासनिक भवन, केंद्रीय पुस्तकालय, अस्पताल, ऑडिटोरियम, छात्रावास समेत आधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरुक्षेत्र

वर्षों से जिस पल का विद्यार्थी, शिक्षक, शोधार्थी और आयुष जगत इंतजार कर रहे थे, वह अब साकार होने जा रहा है। देश के पहले श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर के निर्माण की प्रक्रिया आखिरकार शुरू हो गई है। हरियाणा सरकार ने लगभग 465 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले पहले चरण के निर्माण कार्य का टेंडर लुधियाना की दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड को सौंप दिया है। निर्माण एजेंसी की टीम ने विश्वविद्यालय परिसर का निरीक्षण भी कर लिया है और सोमवार से साइट का विस्तृत सर्वे शुरू किया जाएगा। कंपनी करीब ढाई वर्ष में प्रथम चरण का निर्माण पूरा करेगी। गौरतलब है कि वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुरुक्षेत्र के गांव फतुहपुर में लगभग 100 एकड़ भूमि पर देश के पहले आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद श्री कृष्ण राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय को अपग्रेड कर श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की गई, लेकिन तब से विश्वविद्यालय अस्थायी रूप से आयुर्वेदिक महाविद्यालय की इमारत से ही संचालित हो रहा है। अब नए परिसर का निर्माण शुरू होने से विश्वविद्यालय के स्थायी और अत्याधुनिक कैंपस का सपना साकार होने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ गया है। कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने कहा कि देश के पहले श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के स्थायी परिसर का निर्माण शुरू होना विश्वविद्यालय के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव है।

प्रथम चरण में बनेंगे ये प्रमुख भवन

निर्माण एजेंसी के जीएम राजीव ने बताया कि सोमवार से साइट सर्वे शुरू कर दिया जाएगा। पर्यावरण संबंधी आवश्यक एनओसी मिलने के बाद ड्राइंग के अनुसार निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। प्रथम चरण में कुलपति एवं कुलसचिव कार्यालय, प्रशासनिक भवन, परीक्षा शाखा, केंद्रीय पुस्तकालय, अत्याधुनिक ऑडिटोरियम, आयुर्वेदिक अस्पताल, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल, आयुर्वेदिक पीजी कॉलेज, रिसर्च एंड इनोवेशन विभाग, विश्वविद्यालय मार्केट, पावर हाउस, पीजी एवं पीएचडी शोधार्थियों के लिए छात्रावास, डायनिंग हॉल, कुलपति एवं कुलसचिव आवास, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आवास, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम तथा फर्नीचर सहित अन्य आधारभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

पानीपत शुगर मिल में लगेगा 90 हजार लीटर क्षमता का एथेनॉल प्लांट

■ 200 करोड़ की लागत आएगी 15 माह में तैयार होगा प्लांट, शीरे-अनाज से बनेगा एथेनॉल

अशोक शर्मा ▶▶ समालखा

पानीपत के डाहर स्थित सहकारी शुगर मील में नए एथेनॉल प्लांट का निर्माण करवाया जाएगा। प्लांट में प्रति दिन 90 हजार लीटर एथेनॉल का उत्पादन हो सकेगा। वहीं, प्लांट के निर्माण पर करीब 200 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इस सयंत्र का निर्माण कार्य पंद्रह माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस प्लांट में छह माह शीरे व बाकी महिनों में अनाज से एथेनॉल बनेगा। शुगर मील के इस प्लांट से इंडियन ऑयल की पानीपत रिफाइनरी सहित अन्य तेल कंपनियों को एथेनॉल बचेकर मील प्रशासन मुनाफा कमाएगा। यह प्लांट शून्य तरल निर्वहन तकनीक पर आधारित होगा, जिससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव कम होगा। इधर, मील प्रशासन ने बताया कि एथेनॉल प्लांट मील परिसर में 10.7 एकड़ भूमि में बनाया जाएगा। प्लांट को लेकर मील अधिकारियों ने होमवर्क पूरा करते हुए इसके निर्माण के टेंडर को उच्च खरीद समिति के पास भेज चुका है। वहीं, पानीपत शुगर मील में लगने वाला एथेनॉल प्लांट प्रदेश में सर्वाधिक क्षमता वाला होगा। जबकि कुरुक्षेत्र के शाहाबाद शुगर मील में एथेनॉल प्लांट की क्षमता 60 हजार लीटर प्रतिदिन है। मील के एथेनॉल प्लांट में छह माह शीरे से प्रयोग होगा, जबकि गन्ना पेराई सीजन बंद होने पर प्लांट में मक्का, चावल, बाजरा से एथेनॉल बनाया जाएगा। शुगर मील के प्रबंधक निदेशक नवदीप नैन ने बताया कि पानीपत शुगर मील में हरियाणा का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला एथेनॉल प्लांट लगाया जाएगा। प्लांट में प्रति दिन 90 हजार लीटर एथेनॉल का उत्पादन किया जाएगा और इस पर करीब 200 करोड़ रूपये की लागत आने का अनुमान है। वहीं, मील प्रशासन का प्रयास रहेगा कि अगले 15 माह में प्लांट में एथेनॉल का उत्पादन शुरू हो जाए।

खबर संक्षेप

बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। नौ वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच कर रहे छछरौली थाना प्रभारी वेदपाल ने बताया कि एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने लड़के व पति के साथ अपने मायके में गई थी। शाम को घर वापस आए तो उसकी 9 वर्षीय लड़की सहमी सी थी। पूछने पर लड़की ने बताया कि मोहित नामक युवक ने उसके साथ गलत काम किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

सरकारी स्कूल और सब्जी की दुकान में चोरी

यमुनानगर। चोरों ने सरकारी स्कूल व सब्जी की दुकान को निशाना बनाकर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया। जानकारी के अनुसार पिंजौरा निवासी ममता सचदेव ने बताया कि वह जीपीएस सरकारी स्कूल में कार्यरत है। छह जून को चोरों ने स्कूल में घुसकर सामान चुरा लिए, जिसकी कीमत करीब साढे सात हजार रुपये है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। उधर, साढ़ौरा निवासी राजेश कुमार ने बताया कि उसकी कस्बे में फ्रूट व सब्जी की दुकान है। चोरों ने दो जुलाई की रात को दुकान का ताला तोड़कर अंदर से सब्जी व फ्रूट तथा इलेक्ट्रॉनिक कांटा चोरी कर लिया।

परीक्षा की तैयारी जांचने के लिए डीसी ने किया निरीक्षण

जिले में 39 केंद्रों पर 11,904 अभ्यर्थी देंगे एडीए का इम्तिहान

संयुक्त आयुक्त दलजीत सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया, कंट्रोल रूम और धर्मशालाओं की व्यवस्था की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को लघु सचिवालय में बैठक लेकर 5 जुलाई को हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक जिला अटॉर्नी (ग्रुप-बी) स्क्रीनिंग परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रश्न पत्र पुलिस सुरक्षा में ही परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाएं तथा प्रत्येक केंद्र के बाहर एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उपायुक्त ने बताया कि जिले के 39 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 10 से 12 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा में 11,904 अभ्यर्थी शामिल होंगे। नगर निगम के संयुक्त आयुक्त दलजीत सिंह को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

करनाल। उपायुक्त परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

एडमिट कार्ड, फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा नीले या काले रंग का बॉल पेन ले जाने की अनुमति

अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के ठहरने के लिए शहर की विभिन्न धर्मशालाओं में व्यवस्था की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षार्थियों को केवल एडमिट कार्ड, फोटोयुक्त पहचान पत्र तथा नीले या काले रंग का बॉल पेन ले जाने की अनुमति होगी। परीक्षा केंद्रों पर सामान रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि परीक्षार्थियों की सहायता के लिए लघु सचिवालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। हेल्पलाइन नंबर 0184-2267220 एवं 0184-2267271 पर किसी भी समस्या की सूचना दी जा सकती है। बैठक के बाद उपायुक्त ने श्री कृष्ण प्रणामी पब्लिक स्कूल, डीएवी पीजी कॉलेज और डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

परीक्षा केंद्रों पर धारा-163 लागू रहेगी

उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 लागू रहेगी। परीक्षा के दौरान हथियार लेकर चलने, पांच या अधिक लोगों के एकत्रित होने तथा सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक परीक्षा केंद्रों के आसपास फोटोस्टेट की दुकानों के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में सशक्तिकरण पर मंथन

बूथ मजबूत होगा तो संगठन और सरकार दोनों होंगे मजबूत : जगमोहन

जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय 'कर्ण कमल' में शनिवार को करनाल विधानसभा के चारों मंडलों की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधायक जगमोहन आनंद, जिला अध्यक्ष प्रवीण लाठर, वरिष्ठ नेता अशोक सुखीजा सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने तथा केंद्र और हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता है।

उन्होंने कहा कि बूथ ही पार्टी की विजय का आधार है और जब प्रत्येक बूथ मजबूत होगा, तभी विकसित भारत और अंत्योदय का संकल्प साकार होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार की उपलब्धियों और जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठक में शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी, अर्बन मंडल अध्यक्ष गौरव खुराना, कर्ण मंडल अध्यक्ष नवीन बत्रा, रामनगर मंडल अध्यक्ष मोहित सचदेवा, सभी भाजपा पार्षद, शक्ति केंद्र प्रमुख, प्रभारी, संयोजक तथा संगठन के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संगठन की मजबूती के लिए बूथ स्तर तक होगा विस्तार : पराग गाबा

करनाल। जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) की मासिक समीक्षा बैठक शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में जिला अध्यक्ष पराग गाबा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए चारों जोन अध्यक्षों से पिछले माह किए गए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट ली गई तथा आगामी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। जिला अध्यक्ष पराग गाबा ने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनता के बीच उनकी निरंतर मौजूदगी से बढ़ती है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से जनसंपर्क अभियान तेज करने, संगठन विस्तार और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में वार्ड स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा पार्टी की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने को लेकर सुझाव लिए गए। गाबा ने बताया कि जल्द ही मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होगी। ब्लॉक अध्यक्ष एमसी-1 पप्पू लाठर ने कहा कि नियमित समीक्षा और जवाबदेही से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन पहले से अधिक मजबूत बनेगा। बैठक में जोगिंदर वाल्मीकि, दिलशेर डांचर, बिंदर पोसवाल, ललित अहूजा, संदीप महाजन, नरेंद्र अग्घी, शेर सिंह डबरी, पृथ्वीराज भाट आदि मौजूद रहे।

तरावड़ी में घंटों बह रहा अनमोल जल, जन स्वास्थ्य विभाग बेखबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तरावड़ी

शहर के अंजनथली रोड पर बीते कई घंटों से हजारों लीटर पानी लगातार व्यर्थ बहता हुआ नजर आ रहा है। यह समस्या केवल आज की नहीं, बल्कि पिछले कई दिनों से बनी हुई है, लेकिन इसके बावजूद जन स्वास्थ्य विभाग इसकी ओर ध्यान नहीं दे पा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, पिछले करीब 4 से 5 घंटे से पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे बिना बारिश के ही सड़के जलमग्न हो गई हैं। सड़क पर पानी जमा होने के कारण गिरने का खतरा बना हुआ है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस संबंध में जन स्वास्थ्य विभाग को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। विभाग की लापरवाही के चलते हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह रहा है। यह पानी वार्ड नंबर 2 और 3 की सप्लाई लाइन से जुड़ा बताया जा रहा है। लगातार पानी बहने के कारण जल की बर्बादी हो रही है, वहीं दूसरी ओर कई घरों में पानी का दबाव कम होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जन स्वास्थ्य विभाग को कई बार दी जा चुकी है सूचना पर इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा

तरावड़ी। जन स्वास्थ्य विभाग का पानी की सप्लाई के पाईप से बहता पानी। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने वोटर फॉर्म भरने में तेजी लाने के दिए निर्देश

■ विधायक ने प्रत्येक सोमवार को नपा कार्यालय में उपस्थित रहने की घोषणा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तरावड़ी

हलका विधायक भगवान दास कबीरपंथी ने नगर पालिका हाउस में शहर के सभी पार्षदों, गणमान्य व्यक्तियों और अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक का मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची से संबंधित फॉर्म भरने की प्रक्रिया में तेजी लाना और सभी पात्र नागरिकों के वोट समय पर बनवाना था। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि वर्तमान में वोटर फॉर्म भरने की प्रक्रिया में काफी देरी हो चुकी है और अब समय बहुत कम बचा है।

ऐसे में सभी पार्षदों की जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने वार्डों में सक्रिय भूमिका निभाते हुए बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ मिलकर सभी लंबित फॉर्म जल्द से जल्द पूरा करवाएं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि कोई पात्र व्यक्ति इस प्रक्रिया से छूट जाता है, तो भविष्य में उसे वोट बनवाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। विधायक ने शहरवासियों से भी अपील करते हुए कहा कि जब भी बीएलओ उनके पास वोटर फॉर्म लेकर आए, तो वे उसे पूरी सावधानी और सटीक जानकारी के साथ भरें। फॉर्म के साथ आवश्यक दस्तावेज और फोटो सही तरीके से लगाना सुनिश्चित करें, ताकि वोटर कार्ड बनने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। उन्होंने नागरिकों से सहयोग की भावना रखते हुए इस प्रक्रिया को समय पर पूरा करने का आग्रह किया। विधायक ने अधिकारियों और कर्मचारियों को भी निर्देश दिए कि वे इस कार्य में सहयोग दें।

तरावड़ी। नगरपालिका मे पार्षदों के साथ बैठक करते हुये विधायक भगवानदास।

अपने-अपने वार्डों में विकास करवाएं

विधायक भगवान दास कबीर पंथी ने विकास कार्यों पर भी जोर देते हुए कहा कि सभी पार्षद अपने-अपने वार्डों में समान रूप से विकास कार्य करवाएं और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और शहर के विकास में सक्रिय योगदान देंगे। बैठक के दौरान विधायक ने एक और महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए कहा कि वे प्रत्येक सोमवार को नगर पालिका कार्यालय में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान शहरवासी अपनी समस्याएं सीधे उनके समक्ष रख सकेंगे, जिनका समाधान मौके पर ही संबंधित अधिकारियों के माध्यम से करवाया जाएगा। इस अवसर पर नगर के सभी पार्षद, नगर पालिका चेयरमैन वीरेंद्र बंसल, नगर पालिका सचिव अजीत कुमार, लेखाकार जयचंद सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब भारत कनेक्ट से भर सकेंगे दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के ई-चालान

■ एनपीसीआई भारत बिल पे और एसबीआई की पहल से भुगतान होगा और आसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक एनपीसीआई भारत बिल पे लिमिटेड ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को भारत कनेक्ट प्लेटफॉर्म पर ई-चालान श्रेणी में बिलर के रूप में शामिल किया है।

इसके बाद दिल्ली के नागरिक भारत कनेक्ट से जुड़े विभिन्न ऐप्स के माध्यम से अपने ट्रैफिक चालानों को खोजने, देखने और ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा प्राप्त कर सकेंगे। इस व्यवस्था को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने बिलर ऑपरेटिंग यूनिट (बीओयू) के रूप में तकनीकी सहयोग देकर संभव बनाया है।

इससे चालान भुगतान की प्रक्रिया अधिक सरल और तेज होगी तथा लोगों की मैनुअल भुगतान और भौतिक केंद्रों पर निर्भरता कम होगी। एसबीआई के प्रवक्ता ने कहा कि यह साझेदारी देश के सबसे व्यस्त शहरी क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रणाली बड़ी संख्या में लेन-देन को सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से संभालने में सक्षम होगी।

बालिकाओं को दिए आधुनिक ब्यूटी तकनीकों के गुर

■ कौशल के साथ संस्कार और स्वावलंबन का संदेश, प्रशिक्षण केंद्र में विशेष कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

स्थानीय सेवाश्री आश्रम में सेवा भारती करनाल तथा भारत विकास परिषद कर्ण शाखा द्वारा संचालित माता जीजाबाई स्वरूप निखार प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही बहनों और बालिकाओं के लिए विशेष प्रेरक एवं कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हरियाणा की प्रसिद्ध रूप सज्जा विशेषज्ञ तारा कटारिया ने आधुनिक ब्यूटी तकनीकों, कार्यशैली और व्यावहारिक अनुभव साझा किए। प्रशिक्षणार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया और अपने कौशल को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया। भारत विकास परिषद कर्ण शाखा की अध्यक्ष डॉ. रचना चौधरी ने कहा कि कौशल के साथ अच्छे संस्कार व्यक्ति को समाज में सम्मान और सफलता दिलाते हैं। वहीं प्रकल्प की संरक्षक श्रीमती ज्योति चौधरी ने प्रशिक्षण को और प्रभावी बनाने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य कपिल अत्रेजा ने बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने का संदेश देते हुए कहा कि मेहनत और कौशल के बल पर महिलाएं समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।सेवा भारती के जिला पालक सुरेंद्र गोयल ने संस्था के शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक समरसता से जुड़े सेवा कार्यों की जानकारी दी, जबकि सेवाव्रती नरेश माटा ने बाल संस्कार केंद्रों की भूमिका पर प्रकाश डाला।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम के अंत में सेवा भारती के जिलाध्यक्ष विपिन अरोड़ा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. आशीष पसरीचा, प्रणव जावा, भीम सिंह, स्वतंत्र कुकरेजा, रणदीप चौहान, अजय आर्य, रौशन आर्य, रजनी भारती सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लिपिक वर्ग का वेतन बढ़ाए जाने पर क्लेरिकल एसोसिएशन के सदस्यों ने जताई खुशी

रादौर। हरियाणा सरकार के वित्त विभाग ने क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी के अनुमोदन पर लिपिक वर्ग को अतिरिक्त वेतनवृद्धि देकर बड़ी राहत दी है। वेतन बढाए जाने पर शनिवार को एसोसिएशन के सदस्यों ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसाइटी के जिला सचिवा तरसेम कुमार ने बताया कि एसोसिएशन ने वेतन बढ़ाए जाने का श्रेय सीएडब्ल्यूएस के पदाधिकारियों व सदस्यों को दिया है। आज सीएडब्ल्यूएस हरियाणा के लिपिकीय कर्मचारियों की एकता, सम्मान एवं अधिकारों की बुलंद आवाज बनकर उभरा है। यह सफलता भारतीय मजदूर संघ के निरंतर मार्गदर्शन, सहयोग और प्रदेश के हजारों लिपिक कर्मचारियों की एकजुटता का परिणाम है। इसके लिए सीएडब्ल्यूएस हरियाणा ने भारतीय मजदूर संघ एवं हरियाणा सरकार का हार्दिक आभार व्यक्त किया है। जिन्होंने लिपिक वर्ग की मांग पर गंभीरता से विचार कर यह कर्मचारी हितैषी फैसला लिया। सीएडब्ल्यूएस हरियाणा सरकार से अपेक्षा करती है कि भविष्य में भी लिपिकीय वर्ग के लिए इस प्रकार के हितैषी निर्णय लिये जाते रहेंगे। इस अवसर पर एसोसिएशन के जिला कोषाध्यक्ष विजय कुमार, प्रेस सचिव गौरव कुमार, विजय, महिला अध्यक्ष नीलम नेहरा, विकास जैन मौजूद रहे।

प्रताप पब्लिक स्कूल में महापौर ने विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

एमयूएन जैसे आयोजन तैयार करते हैं भविष्य के नेतृत्वकर्ता

सेक्टर-6 स्थित स्कूल में आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशन्स कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

महापौर रेणु बाला गुप्ता ने शनिवार को सेक्टर-6 स्थित प्रताप पब्लिक स्कूल में आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशन्स (एमयूएन) कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षकों और विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विद्यालय के नवाचारपूर्ण प्रयासों की सराहना की। महापौर ने कहा कि एमयूएन जैसे मंच विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, तार्किक सोच, प्रभावी संवाद कौशल, आत्मविश्वास और वैश्विक विषयों की समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को जिम्मेदार निर्णय लेने और सकारात्मक बहस की संस्कृति से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि ऐसे जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक तैयार करना है जो राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें। प्रताप पब्लिक स्कूल शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है।

ये रहे उपस्थित

महापौर ने विद्यालय प्रबंधन, अध्यापकगण और आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि विद्यालय भविष्य में भी उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि आज के जागरूक और नवाचारी छात्र ही विकसित भारत के मजबूत नेतृत्वकर्ता बनेंगे। इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद, चेयरपर्सन मेघा भंडारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

नशा निषेध केंद्र का सीजेएम ने किया निरीक्षण, लोगों से सहयोग की अपील

■ प्रतिदिन करीब 100 मरीजों को मिल रही नि:शुल्क उपचार सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ करनाल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव ने शनिवार को सिविल अस्पताल स्थित नशा निषेध केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र में नशा प्रभावित मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही मुफ्त चिकित्सा एवं दवाइयों की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिदिन लगभग 100 मरीज यहां उपचार का लाभ ले रहे हैं। सीजेएम मीनाक्षी यादव ने लोगों से अपील की कि नशे की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को उपचार के लिए नशा निषेध केंद्र तक पहुंचने के लिए प्रेरित करें और करनाल को नशामुक्त बनाने के अभियान में सहभागी बनें। इस दौरान डॉ. सौभाग्य, विकास और हर्ष वत्स भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

6.83 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर पकड़ा

पानीपत। एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने वीरवार देर रात होटल मिड टाउन के साथ लगती गली में 6.83 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर अजीत पुत्र स्वराज निवासी जगजीवन राम कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार मतलौडा वीरेंद्र गिल की मौजूदगी में अजीत से मादक पदार्थ बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट से दो दिन के रिमांड पर लिया है, पुलिस रिमांड के दौरान अजीत से नशा सप्लायर के ठिकानों का पता लगाने का प्रयास करेगी।

अवैध शराब की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार

पानीपत। पुलिस की कृष्णपुरा चौकी ने गोहाना रोड फ्लाई ओवर पुल के पास निर्माणाधीन अंडर पास के नजदीक प्रमोद पुत्र रामेश्वर निवासी कृष्णपुरा को अवैध शराब की खेप के साथ गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी कटार सिंह ने बताया कि बरामद अवैध शराब व बीयर को इंपाउंड कर थाना औद्योगिक हुडा सेक्टर 29 में एक्साइज एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है।

महिला से इंस्टा पर दोस्ती कर 3.72 लाख की ठगी

पानीपत। पानीपत के गांव कुराना निवासी किरण से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर महंगे गिफ्ट का झांसा देने और फिर कस्टम क्लियरेंस व एयरपोर्ट टैक्स के नाम पर लाखों रुपए ठगने की वारदात हुई है। शातिर साइबर ठगों ने किरण को झांसे में लेकर उसके बैंक खाते से अलग-अलग स्कैनरों के माध्यम से कुल 3 लाख 71 हजार 900 रुपए ठग लिए।

बुजुर्ग दुकानदार के 80 हजार रुपये चोरी

पानीपत। अग्रसेन कॉलोनी में शातिर चोर, बुजुर्ग दुकानदार अस्सी वर्षीय विजय कुमार का ध्यान भटकाकर गल्ले के नीचे रखे 80 हजार चोरी कर रफूचक्कर हो गया। विजय कुमार अपने अपने मकान के बाहर ही रूचि किराना एवं कन्फेक्शनरी के नाम से दुकान चलाते हैं। वहीं, चोरी की घटना दो जुलाई की शाम करीब छह बजे हुई। चोर दुकान पर ग्राहक बन कर आया था। इधर, पुलिस दुकान व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपी चोर की तलाश कर रही है।

साइबर ठगी से सावधान रहें आमजन : चुघ

पानीपत। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता निखिल चुघ ने कहा कि मतदाता सत्यापन अभियान के दौरान नागरिकों को डिजिटल माध्यमों पर विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। कुछ साइबर अपराधी सरकारी प्रक्रिया का लाभ उठाकर लोगों को फर्जी संदेश, कॉल और वेबसाइट के माध्यम से ठगने का प्रयास कर सकते हैं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि मतदाता सूची से संबंधित किसी भी प्रक्रिया के लिए केवल अपने क्षेत्र के बूथ स्तर अधिकारी बीएलओ, संबंधित निर्वाचन कार्यालय माध्यमों का ही उपयोग करें।

इनेलो अपना रुख स्पष्ट करें : सुरेश दहिया

पानीपत। किसान भवन को कथित रूप से ट्रस्ट के माध्यम से निजी नियंत्रण में लेने के प्रयासों को लेकर किसान समाज ने इनेलो से अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की है। भाकियू नेता व किसान भवन के पूर्व प्रधान सुरेश दहिया ने कहा कि यदि इस मामले में स्थानीय इनेलो नेताओं की भूमिका पार्टी की सहमति से नहीं है तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भवन किसानों की साझा धरोहर है और इसे किसी राजनीतिक दल का मुख्यालय या मंच नहीं बनने दिया जाएगा। वहीं, जल्द की इस मामले को लेकर किसानों की महापंचायत का आयोजन होगा।

ग्रामीणों को 13 साल में भी नहीं मिला न्याय

इसराना। गांव बांध की ग्राम पंचायत की करीब 110 एकड़ शामलात गऊचर भूमि पर कथित अवैध कब्जे से जुड़े मामले में 13 वर्षों से जिला मजिस्ट्रेट एवं उपायुक्त पानीपत की अदालत में सुनवाई लंबित है। आरटीआई कार्यकर्ता जगत सिंह ने बताया कि वर्ष 2013 से अब तक बहस के लिए 135 तारीखें लग चुकी हैं।

स्वच्छ पर्यावरण के लिए परिवहन विभाग का जागरूकता अभियान शुरू

परिवर्तन योजना से पुराने वाहनों की होगी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

- वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों को योजना के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी

एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण कम करने तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार के परिवहन विभाग की 'परिवर्तन योजना (नया सफर योजना)' के तहत शनिवार को क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (आरटीए), पानीपत द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

अभियान के तहत वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों को योजना के लाभ, पात्रता और आवेदन प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं, जिला परिवहन अधिकारी एवं सचिव यानि आरटीए डॉ. नीरज जिंदल ने अपने कार्यालय में सहकारी परिवहन समितियों के पदाधिकारियों, वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक कर योजना की विशेषताओं से अवगत कराया। जबकि, सहायक जिला परिवहन अधिकारी गुरजीत कौर ने वाहन पासिंग ग्राउंड में पासिंग के लिए पहुंचे वाहन मालिकों और ट्रांसपोर्टरों को भी योजना के प्रति जागरूक किया।

पानीपत। परिवहन विभाग के अधिकारी, ट्रांसपोर्टर्स के साथ बैठक करते हुए।

अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र

इधर, डॉ नीरज ने बताया कि योजना के तहत बीएस-4 एवं इससे पुराने ट्रकों और बसों को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्र पर स्क्रैप कराकर नए बीएस-7, इलेक्ट्रिक (ईवी) अथवा अन्य पर्यावरण अनुकूल वाहन खरीदने पर 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट दी जाएगी। इसके साथ ही नए वाहनों के पंजीकरण शुल्क को भी पूरी तरह माफ किया जाएगा। पात्र पुराने वाहनों को योजना की निर्धारित शर्तों के अनुसार लाभ प्रदान किया जाएगा। योजना का लाभ लेने के लिए पुराने वाहनों को केवल अधिकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र पर ही नष्ट कराना अनिवार्य होगा। साथ ही, बीएस-5 श्रेणी के वाहनों को एनसीआर से बाहर अन्य क्षेत्रों में बेचने की अनुमति रहेगी।

एनसीआर में प्रदूषण कम हो सकेगा

डॉ. जिंदल ने बताया कि हरियाणा सरकार की 'परिवर्तन योजना' का उद्देश्य एनसीआर में प्रदूषण कम करना और स्वच्छ, सुरक्षित व पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। वाहन मालिक इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पुराने प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर स्क्रैप कराकर नए एवं आधुनिक वाहन अपनाएं। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी, बल्कि वाहन मालिकों को कर एवं पंजीकरण शुल्क में दी जा रही छूट का भी सीधा लाभ मिलेगा।

निर्धन रोगी की मदद को उठे इनर व्हील क्लब के हाथ

पानीपत। प्रेम अस्पताल में उपचाराधीन निर्धन रोगी की मदद को पहुंची इनर व्हील क्लब की पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

- गुर्दे के निर्धन रोगी का सहायतार्थ डायलिसिस उपचार शुरू करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

इनर व्हील क्लब, पानीपत द्वारा जिला परियोजना जीवनधारा के तहत अनुकरणीय मानवीय सेवा कार्य किया जा रहा है। क्लब की अध्यक्ष अलका के मानवीय से लबरेज दूरदर्शी नेतृत्व क्लब ने डॉ. प्रेम हॉस्पिटल में उपचाररत एक जरूरतमंद मरीज के दीर्घकालिक डायलिस उपचार हेतु आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। स्मरणीय है कि गुर्दे के रोगी के लिए डायलिस जीवनरक्षक प्रक्रिया है जिसके लिए मरीज को प्रत्येक सप्ताह नियमित सत्रों की आवश्यकता होती है। मरीज की आर्थिक स्थिति उपचार का भार उठाने में असमर्थ थी। मानवता और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोपरि रखते हुए, इनर व्हील क्लब, पानीपत ने रोगी की मदद शुरू की है।

क्लब अगले एक वर्ष तक रोगी के सभी नियमित डायलिस सत्रों का खर्च वहन करेगा। वहीं, इस नेक कार्य में क्लब की पूर्व अध्यक्ष पीडीसी माला, सचिव अनीता, प्रोजेक्ट चेयरमैन सुरेखा, इनर व्हील क्लब की सभी पदाधिकारी व सदस्य सहयोग कर रही है।

मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करें आमजन : नवीन

पानीपत। एसआईआर को लेकर बैठक करते भाजपा जिलाध्यक्ष नवीन भाटिया व अन्य पार्टी पदाधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

भाजपा शहरी दक्षिण मंडल में वार्ड 15 पार्षद अमित नारंग के कार्यालय में एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें मंडल अध्यक्ष चेतन तनेजा, जिला उपाध्यक्ष व दक्षिण मंडल प्रभारी नवीन भाटिया, अरुण पसरीचा मंडल महामंत्री, निशा बंसल, सनी सेठी, रविन्द्र मंडल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, हिमांशु व वीरमणि के साथ बीएलओ ओर सभी शक्ति केन्द्र प्रमुख मौजूद रहे। जिसमें एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चर्चा हुई। जिसमें सभी बूथों पर मतदाताओं को एसआईआर प्रक्रिया, दस्तावेजों और आवेदन संबंधी जानकारी दी जाएगी। सभी की ड्यूटी लगाई ताकि जायदा से ज्यादा वोट बनाए जा सकें।

वहीं लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के नागरिकों को जागरूक करें तथा अपने मतदाता संबंधी सभी आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराकर मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहयोग करें।

नवविवाहिता के साथ ससुर ने दुष्कर्म किया

पानीपत। पानीपत में ससुर ने नवविवाहित बहू को नशीला पदार्थ सुंघाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विवाहिता ने थाना मॉडल टाउन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसने, सुसर की हैवानियत की

- सास व ननद ने एक माह तक बंधक बना कर रखा, चार पर केस दर्ज

जानकारी दी। वहीं, पति, सास व ननद ने भी आरोपी का साथ दिया और उसे धमका व डरा कर उसका मोबाइल फोन सैट छीन लिया और उसे कमरे में बंद कर कैदियों की तरह रखा। विवाहिता का दावा है कि एक महीने के टॉर्चर के बाद पीड़िता को रूम से बाहर निकाला गया। किसी तरह उसे एक मोबाइल फोन भी मिला तो उसने अपनी छोटी बहन को कॉल कर अपने साथ हुए अन्याय की जानकारी दी। इधर, थाना मॉडल टाउन पुलिस ने मुख्य आरोपी ससुर, पति, सास और ननद के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएम से मिले दिनेश पुजारा

किसान हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है भाजपा सरकार

पानीपत। मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात करते दिनेश पुजारा।

पानीपत। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव दिनेश पुजारा ने कहा कि हरियाणा में नायब सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार किसान हितैषी सरकार है और किसानों के हितों के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। किसानों की आय को दोगुना करने के लिए समय समय पर प्रयास किए जा रहे हैं।

फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री ट्रैक्टर योजना, सोलर पम्प योजना, मत्स्य सम्पदा योजना, भावान्तर भरपाई योजना के माध्यम से किसानों के जीवन यापन को आसान बनाने का कार्य सरकार कर रही है। लखपति दीदी योजना व ड्रोन दीदी के माध्यम से महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है। किसानों को खाद की कमी न हो इसके लिए किसान मोर्चा के कार्यकर्ताओं को सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर सहकारी समितियों की निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। किसान मोर्चा को एक पेड़ मां के नाम लगाने के अन्तर्गत प्रत्येक जिला में पौधारोपण करने के निर्देश दिए गए हैं। जिसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। दिनेश पुजारा ने किसान मोर्चा के पिछले तीन माह के कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया व किसानों का सम्मान बढ़ाने एवं फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाने पर मुख्यमंत्री नायब सैनी का धन्यवाद किया।

स्वयं को रोजगार देने में सक्षम हो नारी शक्ति : डॉ. वशिष्ठ

- सरकार महिलाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं रोजगार देने वाला बनना चाहती है

पानीपत। नायब सैनी सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से मातृशक्ति उद्यमिता योजना संचालित कर रही है। इस योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को अपना स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पांच लाख रुपये तक का ऋण रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, डीसी डॉ वशिष्ठ ने बताया कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य महिलाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। यह योजना महिलाओं के सपनों को साकार करने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने पात्र महिलाओं से अपील की कि वे इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाकर अपना व्यवसाय शुरू करें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें। वहीं, योजना का लाभ 18 से 60 वर्ष आयु वर्ग की हरियाणा निवासी पात्र महिलाओं को दिया जाएगा, जिनकी पारिवारिक वार्षिक आय निर्धारित सीमा के भीतर हो तथा वे किसी बैंक की ऋण डिफॉल्टर न हों।

नागाकोटी में श्री महादेव अमरनाथ सेवा समिति ने किया भंडारा शुरू

- नागाकोटी में श्री महादेव अमरनाथ सेवा समिति का भंडारा शुरू

पानीपत। श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के उद्देश्य से श्री महादेव अमरनाथ सेवा समिति पानीपत द्वारा नागाकोटी में भंडारे का शुभारंभ किया गया। नागाकोटी, चंदनवाड़ी से लगभग 11 किलोमीटर ऊपर स्थित है। जहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए गुजरते हैं। प्रथम दिवस का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधिवत हवन पूजन के साथ किया गया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं पौष्टिक व्यंजनों की व्यवस्था की गई। दुर्गम पर्वतीय क्षेत्र तथा लगभग 11 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर

कश्मीर के नागाकोटी में शुरू हुआ श्री महादेव अमरनाथ सेवा समिति का भंडारा।

इस प्रकार की सुव्यवस्थित भोजन सेवा उपलब्ध कराना समिति के सेवा भाव एवं समर्पण का परिचायक है। भंडारे में श्रद्धालुओं ने भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, व्यवस्थाओं तथा समिति के सदस्यों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य की सराहना की। इस सेवा कार्य में संस्था के प्रधान दिलावर सिंह खर्ब, हेमंत रोहिल्ला, धर्मेंद्र खर्ब, चांद मिगलानी, कक्कू, सुभाष सिंगला, रोशन लाल आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

न्यूज डायरी

एक ही केंद्र पर अपने नाम दर्ज करवा सकेंगे वोटर्स

पानीपत। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. हरीश वशिष्ठ ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सही मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज सुनिश्चित करना है। यदि किसी परिवार के सदस्यों के नाम अलग-अलग मतदान केंद्रों पर दर्ज हैं तो उन्हें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। प्रारंभिक मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावे एवं आपत्तियों की निर्धारित अवधि के दौरान प्रपत्र-8 भरकर सभी पात्र सदस्यों का नाम एक ही मतदान केंद्र पर स्थानांतरित कराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी मतदाता अपने गणना प्रपत्र समय पर संबंधित बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अपने नाम, पते एवं अन्य विवरण का सावधानीपूर्वक सत्यापन अवश्य करें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि मिलती है तो निर्धारित समय सीमा के भीतर उसका सुधार कराएं। डीसी डॉ वशिष्ठ ने कहा कि शुद्ध, त्रुटिरहित एवं अद्यतन मतदाता सूची निष्पक्ष और सशक्त लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे निर्वाचन आयोग के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं, समय पर आवश्यक प्रपत्र जमा करें तथा किसी भी जानकारी के लिए अपने क्षेत्र के बीएलओ, ईसीआईनेट ऐप के बुक ए कॉल फीचर अथवा टोल फ्री नंबर 1950 का उपयोग करें। इससे प्रत्येक पात्र मतदाता का लोकतांत्रिक अधिकार सुरक्षित रहेगा।

मरी मुर्गियों को खुले में फेंक रहे पोल्ट्री फार्म

इसराना। पानीपत के गांव बांध में ठोला वाले जंगल में ग्राम पंचायत शामलात भूमि गौचराद में आसपास के पोल्ट्री फार्म ओर हैचरी वाले अपने अपने फार्मों में मरे हुए चुजो ओर मुर्गों को डाल रहे हैं जिसकी सड़ांध दूर दूर तक फैल रही है। गांव के जो ग्रामीण सुबह-शाम सैर करने के लिए आते थे अब वातावरण दूषित होने के कारण वह घरों में ही कैद हो कर रह गये हैं। ग्रामीण जगत सिंह, मोनू, आनन्द, बलबीर व रमेश आदि ने बताया है कि गांव के सरपंच को इस समस्या के बारे में अवगत करवाया जा चुका है, पर समाधान नहीं हुआ। यहां से गुजरने वाले राहगीरों को नाक मुंह बंद करके गुजरना पड़ता है। जबकि इससे भी बड़ी समस्या यह है कि इसके चलते कभी भी गांव में गंभीर बीमारी फैली सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की कि वह इस मामले में संज्ञान लेकर ग्रामीणों के स्वास्थ्य को बचाएं।

आईटीआई में अवकाश के दिन भी होंगे दाखिले

बापौली आईटीआई में दाखिल प्रक्रिया में भाग लेते विद्यार्थी।

पानीपत। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई बापौली में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों की 152 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया जारी है। तीन से 15 जुलाई तक ऑनलाइन पोर्टल खुला रहेगा। आईटीआई प्रमुख संदीप खर्ब ने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा के लिए अवकाश के दिनों में भी चॉइस फिलिंग की व्यवस्था रहेगी। उन्होंने बताया कि अब तक 127 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते अपनी चॉइस भरें। प्रवेश संबंधी दिशा निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी संस्थान में संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

छाजपुर कलां में जिला प्रधान राजेंद्र का अभिनंदन

समिति ने सदस्यता अभियान चलाया

- दस सदस्यों ने ब्राह्मण वेलफेयर जिला समिति की सदस्यता ली

हरिभूमि न्यूज ⏭ पानीपत

पानीपत के गांव छाजपुर कलां में ब्राह्मण वेलफेयर समिति जिला प्रधान राजेंद्र हल्दाना व शिवकुमार पूर्व सरपंच का गांव में पहुंचने पर समाज के लोगों ने पगड़ी पहनाकर अभिनंदन किया।

गांव से दस सदस्यों ने वेलफेयर जिला समिति की सदस्यता ग्रहण की। जिनमें रुलिया राम शर्मा, सोनू, देवेंद्र पंच ,प्रवीण ईश्वर, बुधराज, इंद्र, कृष्ण, संदीप, विनोद शास्त्री, संदीप सम्मिलित हैं। जिला प्रधान का स्वागत करते हुए पंडित रूलिया राम ने कहा कि छाजपुर कलां के सभी ब्राह्मण हमेशा जिला कमेटी के साथ खड़े रहे हैं।

पानीपत। गांव छाजपुर में ब्राह्मण नेता राजेंद्र हल्दाना व शिव कुमार का सम्मान करते ग्रामीण।

रुलिया राम ने जिला प्रधान से आग्रह किया कि समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ भी जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि समाज के युवा नशे जैसी गतिविधियों से दूर रहकर अपना भविष्य उज्ज्वल कर सके।

ओप्पो इंडिया की नई रेनो सीरीज लॉन्च

पानीपत। ओप्पो इंडिया के हेड, पीआर एंड कम्युनिकेशंस गोल्डी पटनायक ने कहा कि आज की पीढ़ी के लिए स्मार्टफोन केवल एक डिवाइस नहीं, बल्कि रचनात्मकता और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन चुका है। इसी सोच के साथ कंपनी ने भारतीय बाजार में नई रेनो 16 सीरीज लॉन्च की है, जिसमें अत्याधुनिक एआई कैमरा तकनीक और प्रीमियम डिजाइन का समावेश किया गया है। उन्होंने बताया कि रेनो 16 और रेनो 16सी स्मार्टफोन में 50 मेगापिक्सल एआई पोर्ट्रेट कैमरा, 3.5 एक्स टेलीफोटो लेंस, 4के 60 एफपीएस एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग सहित कई एआई आधारित फीचर्स दिए गए हैं, जिससे उपयोगकर्ता आसानी से उच्च गुणवत्ता का कंटेंट तैयार कर सकेंगे। कंपनी ने इसके साथ ओप्पो बबल स्मार्ट कैमरा कंपेनियन और ओप्पो एन्को एयर 5 भी लॉन्च किया है।

खबर संक्षेप

चोरी के मामलों में पांच आरोपी दबोचे

अंबाला। बाइक चोरी के अलग-अलग दो मामलों में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त पांच आरोपियों को काबू किया। सहायक उप निरीक्षक प्रवीण कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता रोहित वासी गांव मोहड़ी ने 8 मई 2026 को शिकायत दी थी कि 7 मई 2026 को अंबाला शहर स्थित हेयर ड्रेसर दुकान से आरोपी ने उसकी बाइक चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। इस मामले में पुलिस ने संलिप्त आरोपी मंदीप सिंह उर्फ जग्गी व कुणाल तथा बंटी को को गिरफ्तार किया। पंजाब के रहने वाले इन आरोपियों के खिलाफ पहले भी बाइक चोरी के मामले दर्ज हैं। दूसरा मामला नारायणगढ़ का है। यहां शिकायतकर्ता सोहन लाल वासी गांव संगरानी ने 27 जून 2026 को शिकायत दी थी कि 26 जून 2026 को गांव संगरानी से आरोपी ने उसकी बाइक चोरी की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मामले में संलिप्त आरोपी मेजर सिंह उर्फ लड्डू को चोरीशुदा बाइक समेत काबू किया है। इस मामले में 27 जून 2026 को आरोपी गुरजंअ को पहले ही गिरफ्तार किया गया है।

जेवर चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोना-चांदी जेवरात व नकद राशि चोरी करने के मामले में दूसरे आरोपी को काबू किया। मुख्य सिपाही त्रिलोक चन्द ने बताया कि पीड़ित महिला ने 21 मई 2025 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपियों ने घर से उसके व उसकी पुत्री के सोना-चांदी जेवरात तथा नकद राशि चोरी की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने कार्रवाई करते मामले में संलिप्त दूसरे आरोपी बलविंद्र सिंह को गिरफ्तार कर उससे 25 हजार की नकद राशि बरामद की है। इस मामले में संलिप्त अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बलविंद्र सिंह के खिलाफ पहले भी चोरी के कई मामले दर्ज हैं।

मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी दबोचे

अंबाला। थाना मुलाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मारपीट कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में चार आरोपियों को काबू किया है। जांच अधिकारी उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि इस मामले में शिकायतकर्ता शेर सिंह ने 3 जून 2026 को शिकायत दी थी कि 1 जून 2026 को गांव जमाल माजरा सलेहपुर में आरोपी विरेंद्र सिंह व अन्य ने उससे तथा अन्य लोगों से मारपीट करने, जान से मारने की नीयत से हमला कर चोट पहुंचाते हुए जान से मारने की धमकी दी है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

होली में खुला बोरवेल बंद ग्रामीणों ने जताया था रोष

बराड़ा। गांव होली में जनस्वास्थ्य विभाग के जलघर नंबर-2 में खुले बोरवेल को बंद कर दिया गया है। मामला मीडिया में आने के बाद यह कार्रवाई हुई। रामदसिया चौपाल के पास स्थित इस पुराने बोरवेल को नया बोर होने के बाद विभागीय कर्मचारियों ने खुला ही छोड़ दिया था। ग्रामीण अपने स्तर पर इसे ढकते थे, पर खतरा बरकरार था।

मानसून की पहली बरसात से मौसम सुहावना

आधे घंटे की बरसात से कस्बे के नाले ओवरफ्लो, सफाई व्यवस्था के दावे फेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला/बराड़ा

अंबाला। सड़कों व गलियों में जमा बरसाती पानी। *फोटो : हरिभूमि*

ज्यादातर बाजार पानी में डूबे, रिहायशी कॉलोनियों में भी हुआ जलभराव

शनिवार को हुई मानसून की पहली बरसात से मौसम सुहावना हो गया। ट्विन सिटी में कुछ देर तक बरसात होने के बाद थम गई लेकिन तापमान में गिरावट आने से लोगों को राहत मिली। उधर तेज बारिश ने बराड़ा कस्बे की जल निकासी व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया। करीब आधे घंटे तक हुई झमाझम बारिश के बाद कस्बे के अधिकांश वार्डों, मुख्य सड़कों और गलियों में जलभराव हो गया, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित रहा। कई स्थानों पर डेढ़ से दो फुट तक पानी भर जाने से लोगों का आवागमन बाधित हो गया और दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया। शनिवार सुबह भीषण गर्मी, उमस और बंद हवा के कारण लोग बेहाल थे। करीब 11 बजे मौसम ने करवट ली और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से कुछ समय के लिए मौसम सुहावना अवश्य हुआ लेकिन राहत जल्द ही परेशानी में बदल गई। पहली ही बारिश में बैंक रोड, रेलवे रोड, रजौली रोड, स्कूल रोड, लाइन पार क्षेत्र, बसंत पूरा, बराड़ा गांव सहित कस्बे के लगभग सभी वार्डों में जलभराव की स्थिति बन गई। सबसे गंभीर हालात लक्कड़ मंडी मोहल्ले में देखने को मिले, जहां नाले और गलियों में इतना पानी भर गया कि दोनों के बीच का अंतर ही समाप्त हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति में कोई बच्चा, बुजुर्ग या राहगीर नाले में गिरकर हादसे का शिकार हो सकता है। बैंक रोड स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के आसपास भी सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं। यहां सड़क और नाले का अंतर खत्म हो जाने से लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हरि मंदिर मोहल्ला, गुरुद्वारे वाली गली तथा आसपास के क्षेत्रों में भी जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया।

हर साल होती है समस्या

यहां के नागरिकों का कहना है कि हर वर्ष बरसात शुरू होते ही जलभराव की यही समस्या सामने आती है। नालों की समय पर सफाई और स्थायी जल निकासी व्यवस्था के दावों की पहली ही बारिश में पोल खुल गई। लोगों का कहना है कि यदि मात्र आधे घंटे की बारिश में पूरे कस्बे का यह हाल हो सकता है तो लगातार बारिश होने पर हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। बारिश रुकने के कुछ देर बाद तेज धूप निकलने से उमस फिर बढ़ गई, जिससे लोगों को दोहरी परेशानी झेलनी पड़ी।

नालों की सफाई का दिया ठेका

अंबाला। मानसून की दस्तक के बाद छावनी नगर परिषद ने पानी की निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सक्रियता बढ़ा दी है। नगर परिषद ने छावनी के 350 छोटे नालों की सफाई के लिए एक एजेंसी को ठेका दे दिया है। नगर परिषद के अधिकारियों के मुताबिक सफाई व्यवस्था को सुचारू बनाने और नालों से गाद निकालने के लिए 35 से 40 लोगों की एक समर्पित टीम तैनात की गई है। कार्य की निगरानी के लिए वार्ड पार्षदों को भी सीधे तौर पर जोड़ा गया है ताकि सफाई में किसी भी तरह की कोताही न बरती जा सके। इस समय छावनी के छोटे नालों की सफाई का बुरा हाल है। कई नाले तो गाद से भरे हुए हैं। हालांकि नगर परिषद के अधिकारियों का दावा है कि अब नाला सफाई का कार्य पूरा होने पर संबंधित वार्ड पार्षद के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इसके बाद ही एजेंसी को भुगतान किया जाएगा। वहीं लोगों का कहना है कि हर बार बारिश के दिनों में ही नालों की सफाई का ठेका दिया जाता है।

कांग्रेस में नेतृत्व का संकट पूरे देश में, राहुल जिम्मेदार

- पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल ने पंजाब में कांग्रेस की अंदरुनी कलह पर किया वार
- राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस राजनीतिक और वैचारिक स्तर पर कमजोर

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पूर्व राज्यमंत्री असीम गोयल।

पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के भीतर बढ़ती अंदरूनी कलह और वरिष्ठ नेताओं के असंतोष ने प्रदेश की सियासत को नई दिशा दे दी है। पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई नेताओं के सार्वजनिक तौर पर सामने आए मतभेदों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व, विशेषकर राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। पूर्व मंत्री असीम गोयल ने कहा कि कांग्रेस में नेतृत्व का संकट केवल पंजाब तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में पार्टी इसी स्थिति से गुजर रही है। उनके अनुसार राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार राजनीतिक, संगठनात्मक और वैचारिक स्तर पर कमजोर हुई है। चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी के भीतर जिस तरह गुटबाजी और असंतोष खुलकर सामने आया है, वह कांग्रेस की कार्यशैली का प्रतीक बन चुका है।

असीम गोयल ने कहा कि कांग्रेस के भीतर प्रभावी नेतृत्व का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने दावा किया कि स्वयं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का राहुल गांधी के नेतृत्व पर भरोसा नहीं रह गया है। यही कारण है कि उन्होंने पार्टी अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी से स्वयं को अलग कर नेतृत्व का दायित्व मल्लिकार्जुन खड़गे को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि जो नेतृत्व अपनी ही पार्टी में बढ़ती गुटबाजी और असंतोष को नियंत्रित नहीं कर पा रहा, वह देश के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान कैसे प्रस्तुत करेगा। पंजाब सरकार की 'मांवां धियां योजना' के तहत महिलाओं के खातों में राशि हस्तांतरित किए जाने और मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा इसे वादों को पूरा करने का उदाहरण बताए जाने पर भी असीम गोयल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सम्मान से अधिक राजनीतिक लाभ हासिल करने का माध्यम बनती दिखाई दे रही है।

आप पर बरसे

उन्होंने कहा कि यदि सरकार का उद्देश्य वास्तव में महिलाओं का सम्मान और सशक्तिकरण होता, तो योजना को व्यापक और प्रभावी तरीके से लागू किया जाता। केवल सीमित किस्तें जारी कर इसे उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करना राजनीतिक संदेश देने का प्रयास प्रतीत होता है। गोयल ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी चुनावी माहौल को देखते हुए लोक-लुभावन घोषणाओं के जरिए राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर भगवंत मान को वाक़ई कुछ करना था ,तो 51महीनों की किश्तें एक साथ डालनी चाहिए थी।

शिक्षा के मंदिर को बनाया कूड़ाघर

- गवर्नमेंट कॉलेज के बाहर निगम कर्मियों ने बनाया डंपिंग ग्राउंड

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

छावनी के एकमात्र गवर्नमेंट पीजी कॉलेज को नगर परिषद ने कूड़ाघर बना दिया है। सफाईकर्मी रोजाना सुबह कैंट के विभिन्न इलाकों का कूड़ा गाड़ियों के भरकर कॉलेज के बाहर इकठ्ठा करते हैं। बाद में यहां से जेसीबी की मदद से दोपहर में जाकर कूड़ा उठाया जाता है। सुबह हजारों छात्र व शिक्षक कॉलेज में आते हैं तो स्वागत गेट के साथ लगे कूड़े के ढेरों से उठती दुर्गंध करती है। कूड़े के इस ढेर में गाय मुंह मारती रहती है। कूड़ा फैल कर सड़क तक आ जाता है जिस कारण छात्रों व अन्य राहगीरों का सड़क से गुजरना तक मुश्किल हो जाता है।

अंबाला। कॉलेज के बाहर गंदगी में मुंह मारते पशु। *फोटो : हरिभूमि*

नप कॉलेज को कूड़ाघर बनाने पर तुली

जब इन सफाई कर्मियों को कॉलेज के बाहर कूड़ा डालने से मना किया जाता है तो उनका कहना है कि सफाई निरीक्षक व सुपरवाइजर ने यहां डालने को बोला है। हैरान करने वाली बात यह है कि कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने पिछले महीने इसी कॉलेज में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण मुहिम का शुभारंभ किया था। जबकि नगर परिषद इस कॉलेज को कूड़ाघर बनाने पर तुली है।

बीएसएनएल के पूर्व अधिकारी से ऑनलाइन ठगी

पीएनबी रिटायर्ड पेंशन स्कीम का झांसा देकर की ठगी

- साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की
- योजना के नाम पर 2.87 लाख रुपये की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

बीएसएनएल से रिटायर अधिकारी से ऑनलाइन धोखाधड़ी हो गई। साइबर ठगों ने पीएनबी रिटायर्ड पेंशन स्कीम के नाम पर उनसे 2 लाख 87 हजार 414 रुपए ठग लिए। अंबाला साइबर क्राइम थाना पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अंबाला छावनी के रामनगर के सोमनाथ (78) के साथ हुई। ठगों ने उन्हें मेडिकल, एयर फ्लाइट और रेलवे टिकटों में छूट का झांसा दिया, जिसके बाद उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लिए गए। सोमनाथ ने पुलिस को बताया कि 30 जून 2026 को फेसबुक चलाते समय उन्हें पीएनबी रिटायर्ड पेंशन स्कीम का एक विज्ञापन दिखा था। इस विज्ञापन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए कई आकर्षक लाभ और छूट का दावा किया गया था। विज्ञापन के झांसे में आकर सोमनाथ ने वहां दिए गए विकल्प पर क्लिक कर दिया और अपनी जन्मतिथि दर्ज कर दी। इसके बाद साइबर ठगों ने उन्हें अपने जाल में फंसा लिया। विज्ञापन पर क्लिक करने के अगले दिन यानी 1 जुलाई को बुजुर्ग के मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने अपना नाम राकेश मिश्रा बताया और कहा कि आपकी आवेदन रिक्वेस्ट हमें मिल गई है। उसने बेनिफिट कार्ड जारी करने के बहाने बुजुर्ग से उनके एटीएम कार्ड का नंबर, गोपनीय पिन और सीवीवी नंबर मांग लिया। बुजुर्ग उसकी बातों में आ गए और सारी जानकारी शेयर कर दी। इसके बाद शातिर ठग ने सिर्फ 1 रुपए की ट्रांजेक्शन फीस जमा करने को कहा। सोमनाथ ने उसके बताए अनुसार ऑनलाइन खुली एक एप्लीकेशन में अपने एटीएम कार्ड की डिटेल और पिन भरकर एक रुपया का भुगतान कर दिया। ठग ने भरोसा दिया कि बेनिफिट कार्ड व्हाट्सएप और डाक के जरिए उनके घर पहुंच जाएगा।

मामला दर्ज

बुजुर्ग ने तुरंत इस धोखाधड़ी की शिकायत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन पर दर्ज कराई। इसके बाद पंचकुला नोडल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन से मिली जीरो एफआईआर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

पहला ओसीटी-गाइडेड रोटाट्रिप्सी प्रोसीजर किया गया

चंडीगढ़। पार्क हॉस्पिटल, पटियाला ने अपना पहला ओसीटी -गाइडेड रोटाट्रिप्सी प्रोसीजर सफलतापूर्वक किया है, जो कॉम्प्लेक्स कोरोनरी आर्टरी डिजीज़ के इलाज में एक बड़ा कदम है। कंसल्टेंट कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अर्शदीप सिंह संधू ने कहा कि यह प्रोसीजर एक ऐसे मरीज़ पर किया गया था जिसकी कोरोनरी आर्टरी बहुत ज़्यादा कैल्सीफाइड थी, यह एक मुश्किल कंडीशन है जिससे एंजियोप्लास्टी और स्टेंट लगाना मुश्किल हो सकता है। कैल्शियम जमाव कितना है, इसका सही-सही अंदाज़ा लगाने के लिए, कार्डियक टीम ने ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी (ओसीटी) का इस्तेमाल किया, जो एक एडवांस्ड इमेजिंग टेक्नोलॉजी है जो आर्टरी के अंदर से डिटेल्ड, हाई-रिज़ॉल्यूशन विज़ुअलाइज़ेशन देती है। ओसीटी के नतीजों के आधार पर, टीम ने रोटाट्रिप्सी की, जो रोटेशनल एथेरेक्टॉमी (रोटाब्लेशन) और इंट्रावावैस्कुलर लिथोट्रिप्सी (आईवीएल) को मिलाकर एक नई टेक्निक है। रोटाब्लेशन का इस्तेमाल सख्त कैल्शियम जमाव को बदलने के लिए किया गया।

बंद पड़े रिहायशी भवन में चोरी

- पुलिस ने मौके का मुआयना कर चोरी का केस दर्ज कर जांच शुरू, सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के मॉडल टाउन इलाके में एक बंद मकान में चोरी की वारदात हो गई। कांशी नगर स्थित इस मकान से चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात, नकदी, पीतल के बर्तन और इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा लिए। यह पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कांशी नगर के दीपक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि चोरों ने उनके मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, चोर पहली बार 1 जुलाई 2026 को सुबह करीब 11:46 बजे घर में दाखिल हुए। इस दौरान वे घर से पीतल के बर्तन और सभी बाथरूमों में लगी पीतल की टोटियां चोरी कर ले गए। चोर अगले ही दिन, 2 जुलाई को दोपहर करीब 3:51 बजे दोबारा उसी घर में घुस आए। इस बार चोरों ने लगभग 25 मिनट तक घर के हर कमरे, अलमारी और दराजों को खंगाला, जिससे पूरा सामान बिखरा पड़ा मिला। इसके बाद वे दोपहर करीब 4:16 बजे भारी मात्रा में कीमती सामान लेकर फरार हो गए। घर की जांच करने पर पता चला कि चोरों ने दो दिनों में काफी नुकसान पहुंचाया है। चोरी हुए सामान में दो सोने की अंगूठियां, कांसे के पूजा के बर्तन, मंदिर की चांदी की परत चढ़ी मूर्तियां, अलमारी में रखीं घड़ियां, अलग-अलग पर्सों में रखे करीब 4 से 5 हजार रुपए नकद, एक जोड़ी चांदी की पायल, डिजिटल कैमरे, हेडफोन और एक बैकपैक शामिल हैं।

सामान ले जाते साफ नजर आ रहे

घटना की सूचना मिलते ही मॉडल टाउन पुलिस चौकी की टीम ने मौका-ए-वारदात पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पीड़ित दीपक ने पुलिस को दोनों दिनों की सीसीटीवी फुटेज सौंप दी है जिसमें आरोपियों का चेहरा और चोरी का सामान ले जाते साफ नजर आ रहे हैं।

कैंसर के बाद स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना है बहुत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पंचकूला

कई लोगों के लिए, कैंसर का इलाज पूरा होना एक सफर का अंत और दूसरे सफर की शुरुआत होता है। घंटी बजना या यह सुनना कि इलाज पूरा हो गया है, एक बड़ा पड़ाव होता है, लेकिन बचने के साथ अक्सर अपनी चुनौतियाँ भी आती हैं। शारीरिक रूप से ठीक होना, इमोशनल हीलिंग, और कैंसर के बाद जिंदगी में ढलना बहुत मुश्किल लग सकता है, जिससे कई बचे हुए लोग सोच में पड़ जाते हैं कि कॉन्फिडेंस और मकसद के साथ आगे कैसे बढ़ें। कैंसर के बाद जिंदगी सिर्फ बीमारी से मुक्त होने के बारे में नहीं है, यह सेहत को फिर से बनाने, सेहत को ठीक करने और ऐसा भविष्य बनाने के बारे में है जिसमें लंबे समय तक सेहत को प्राथमिकता दी जाए। कैंसर के बाद ज़िंदगी का मतलब यह नहीं है कि आप डायग्नोसिस से पहले जैसे इंसान बन जाएं। बल्कि, यह ज़िंदगी के एक नए फेज़ को अपनाने के बारे में है जो ताकत फिर से बनाने, हेल्थ को बचाने और पूरी सेहत को बेहतर बनाने पर फोकस करता है। सर्वाइवरशिप को कैंसर केयर का एक ज़रूरी फेज़ माना जा रहा है, जो इलाज से आगे बढ़कर लोगों को हेल्दी, खुशहाल जिंदगी जीने में मदद करने पर फोकस करता है। सबसे जरूरी बदलावों में से एक जो सर्वाइवर कर सकते हैं,

एन्यूमरेशन फॉर्म भरकर बीएलओ के पास जल्द जमा करवाएं मतदाता

अंबाला। एसडीएम अंबाला शहर दर्शन कुमार ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन-एसआईआर) कार्यक्रम तेजी से किया जा रहा है। इस अभियान के तहत पात्र मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म (गणना प्रपत्र) वितरित करने के साथ-साथ उसे भरने बारे भी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि वे सभी अपना गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) भरकर बीएलओ के पास जल्द से जल्द जमा करवाएं। एसडीएम ने कहा कि एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र उपलब्ध करवा रहे हैं। प्रत्येक मतदाता को अपने प्रपत्र में सही एवं पूर्ण जानकारी भरकर उसे निर्धारित समय पर बीएलओ को सौंपना होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

हरियाणा अध्यापक पात्रता लेवल-3 की 3182 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

- प्रशासन की ओर से परीक्षा के लिए किए गए थे पुख्ता बंदोबस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा लेवल-3 के तहत अंबाला शहर व अंबाला छावनी के 13 परीक्षा केंद्रों पर लिखित परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा को नकलरहित एवं पारदर्शी तरीके से करवाने के लिए जिला व पुलिस प्रशासन द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए थे। परीक्षा के तहत कुल 4114 परीक्षार्थियों में से 3186 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचे थे। परीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन हो गया है। बता दें कि उपायुक्त अजय सिंह तोमर के दिशा-निर्देशानुसार ड्यूटी मजिस्ट्रेट व सेंटर अधीक्षकों की बैठक लेकर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 4 व 5 जुलाई को हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को नकलरहित व पारदर्शी तरीके से करवाने बारे निर्देश दिए थे। परीक्षा के तहत 5 जुलाई को लेवल- 2 के तहत प्रातः 10 से दोपहर 12.30 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी तथा इस परीक्षा के लिए 20 सेंटर बनाए गए हैं जिनमें 6141 परीक्षार्थी परीक्षा देने के लिए पहुंचेंगे। इसी प्रकार इसी दिन यानि 5 जुलाई को लेवल-1 के तहत परीक्षा का आयोजन होगा तथा यह परीक्षा दोपहर बाद 3 बजे से 5.30 बजे तक आयोजित होगी।

कार्यक्रम एसए जैन स्कूल में किया पौधरोपण कार्यक्रम

प्रदूषण-जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेड़ लगाने के साथ देखभाल जरूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत विकास परिषद की गीता गोपाल शाखा ने अपने मुख्य कार्यक्रम 'पर्यावरण संकल्प' के तहत एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल में वृक्षारोपण अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण संयोजक दीपांशु अग्रवाल ने किया। सभा को संबोधित करते दीपांशु अग्रवाल ने प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के महत्व पर जोर दिया। परिसर में कई तरह के पौधे लगाए गए और छात्रों व कर्मचारियों ने उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत और स्कूल प्रबंधक समिति ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना करते भाविप के सदस्यों को स्मृति चिह्न और गमले में लगा पौधा भेंट कर सम्मानित किया।

अंबाला। पौधारोपण करते पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

आभार जताया

प्रबंधक समिति के सम्मानित सदस्यों रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, मैनेजर रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, सलाहकार रविकांत जैन और प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत ने इस सार्थक पहल के लिए भारत विकास परिषद, गीता गोपाल शाखा का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से

भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

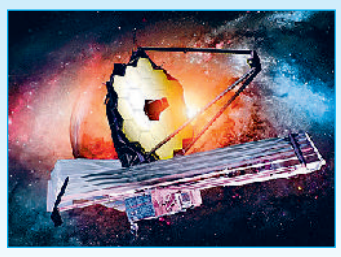

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

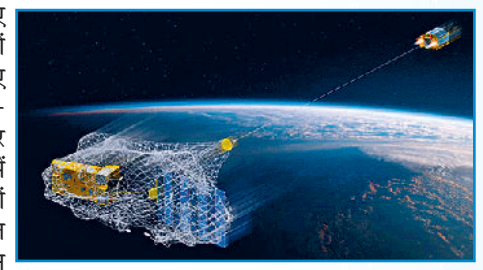

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो

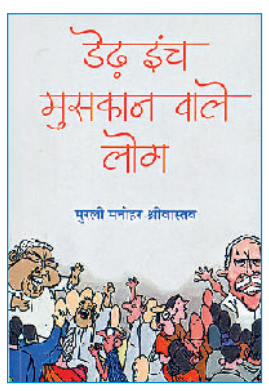

कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

हरिभूमि रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 5 जुलाई 2026

सीजनल टूरिज्म / समीर चौधरी

हर नेचर लवर टूरिस्ट, मानसून में भीगी हरी-भरी पहाड़ी वादियों को करीब से निहारना चाहता है। हालांकि आमतौर पर इस सीजन को ट्रैकिंग के लिए सुटेबल नहीं माना जाता है। लेकिन कुछ ऑफबीट-सुरक्षित हिमालयी ट्रैकिंग स्पॉट्स पर जाकर आप अपनी इस चाहत को पूरा कर सकते हैं। ऐसे ही कुछ बेमिसाल ट्रैकिंग स्पॉट्स पर एक नजर।

मानसून में करिए फुल एंज्वॉय ये हिमालयन ट्रैकिंग स्पॉट्स

अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट परांग ला ट्रैक, हिमाचल प्रदेश

परांग ला ट्रैक (18,400 फीट की ऊंचाई पर स्थित) अनुभवी ट्रैकर्स के लिए परफेक्ट माना जाता है, क्योंकि लद्दाख व स्पीति को जोड़ने वाला इसका पथरीला, तीखी ढलान वाला रूट थोड़ा चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आप इस ट्रैक पर शुरुआत लेह के करजोक गांव से या स्पीति के चिचम/किब्बर गांव से कर सकते हैं। कठिन रास्तों के बावजूद आपको जादुई नजारे देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप खिले हुए जंगली फूल, गहरी नीली त्सो मोरिरी झील के अलावा किआंग या तिब्बती जंगली गधों के झुंडों को भी कूदते-दौड़ते हुए देख सकते हैं। इसे विजिट करने का सबसे अच्छा समय जुलाई के मध्य से सितंबर की शुरुआत तक होता है। *

मोहक नजारा दिखाए मरखा घाटी, लद्दाख

जुलाई और सितंबर के मध्य में मरखा घाटी (17,060 फीट की ऊंचाई पर स्थित) की दूधिया सफेद नदियां, सुंदर लैंडस्केप और विशाल पहाड़ों की पृष्ठभूमि में हरी-भरी वादियां मन मोह लेती हैं। यहां से कांग यत्से पहाड़ का दिलकश नजारा भी दिखता है। यह ट्रैक लेह से आरंभ होता है और फिर जब आप ऊपर की तरफ बढ़ते हैं तो हेमिस नेशनल पार्क, सुदूर गांवों और आध्यात्मिक ताचा मठ से होते हुए यह सफर यादगार बनता चला जाता है। यहां ट्रैकिंग करते हुए आपको हिमालयन ब्लू शीप, हिमालयन ग्रिफ्फोन, स्नो लेपर्ड और पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों का दीदार करने का अवसर भी मिलता है। *

हिडन डायमंड दरमा घाटी ट्रैक, उत्तराखंड

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में स्थित दरमा घाटी ट्रैक (14,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित) एक छुपा हुआ हीरा कहा जाता है, जो आपको आकर्षक गांवों, घने जंगलों, रोलिंग घास के मैदानों और ग्लेशियर से पोषित धाराओं से रूबरू कराता है। इन सबकी पृष्ठभूमि में होती हैं हिमालय की विशाल ऊंची चोटियां। जब मानसूनी बारिश इस लैंडस्केप को भिगो देती है, तो यह वादी हरियाली और जंगली फूलों की सुगंध से भर जाती है। रास्ते में आपको बर्फ से ढंके पहाड़ मिलेंगे। आप इस दौरान स्थानीय समुदायों की विशिष्ट संस्कृति और मेजबानी का भी आनंद ले सकते हैं। जून से सितंबर इस ट्रैक पर जाने के लिए सबसे अच्छा समय है। *

हसीन वादियों से समृद्ध पिन घाटी, हिमाचल प्रदेश

मानसून में ट्रैकिंग के लिए एक अन्य बेहतरीन ट्रैकिंग स्पॉट पिन घाटी (15,780 फीट की ऊंचाई पर स्थित) है। यहां हरे-भरे जंगलों, विशाल घास के मैदानों, पथरीले रास्तों, बर्फ से ढंके मैदानों और ठंडे रेगिस्तानों का फोटो-फ्रेंडली नजारा देखने को मिलता है। यह ट्रैकिंग मुध नामक गांव से आरंभ होती है। पूरी तरह बर्फ सं ढंकी झोपड़ियों की पृष्ठभूमि में मटर और जौ के खेत और तेज हवाओं के साथ झूमते पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। इस ट्रैकिंग के दौरान आप प्राकृतिक गर्म पानी के चश्मों के लिए विख्यात खीरगंगा पर रुक सकते हैं। पिन नेशनल पार्क के साथ गेचांग, का और थंगो जैसे स्थान देखना न भूलें। यहां जाने के लिए सबसे अच्छा समय जुलाई से मध्य सितंबर तक माना जाता है। *

वन्य-जीवन से दीदार कराता तोसामैदान ट्रैक, कश्मीर

इस मौसम में ट्रैकिंग की सोच रहे हैं तो तोसामैदान ट्रैक (12,460 फीट की ऊंचाई पर स्थित) आपकी बकट लिस्ट में अवश्य होना चाहिए। कश्मीर के गुलमर्ग में स्थित यह ट्रैक विशाल पीर पंजाल रेंज, अल्पाइन घास के मैदान, शंकुधारी और चीड़ के जंगलों, चमचमाती झीलों और बर्फ से ढंके पहाड़ों से होकर गुजरता है। इस मार्ग पर ट्रैकिंग के दौरान विभिन्न हिमालयी वन्य जीवों जैसे कस्तूरी हिरण, लेपर्ड और विभिन्न प्रजातियों की मुर्गियां आदि को देखने का मौका आपको मिलेगा। यहां ट्रैकिंग करने का सबसे अच्छा समय जुलाई से सितंबर तक का होता है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / नरेंद्र कुमार

किसी भी प्रोफेशन में ग्रो करने के लिए लगातार सीखना और खुद को बेहतर बनाने की क्षमता का होना जरूरी है। ऐसा तभी हो सकता है, जब आपको अपनी कमियां पता हों। कमियां पता लगाने के लिए बॉस ही नहीं कुलीग्स, सीनियर्स का फीडबैक भी बहुत महत्वपूर्ण होता है। इस बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

करियर ग्रोथ के लिए इंपॉर्टेंट है फीडबैक

आज के दौर में प्रोफेशनल दुनिया में कामयाबी के लिए सिर्फ मेहनत करना ही काफी नहीं है। कंपनियां अब अपने स्टाफ में ऐसे लोगों को चाहती हैं, जो हर समय सीखने को तैयार रहें। जो अपनी कमियों को पहचान सकें और किसी के द्वारा बताए जाने पर उसमें जरूरी सुधार करें। यही कारण है कि फीडबैक आज करियर ग्रोथ का एक महत्वपूर्ण जरिया बन चुका है। वास्तव में फीडबैक एक ऐसा आईना है, जिसमें हम अपनी प्रोफेशनल इमेज बहुत अच्छी तरह से देख सकते हैं। जो लोग इस आईने से डरते नहीं, वे लोग सचमुच इससे बहुत कुछ सीखते हैं।

क्या है फीडबैकः फीडबैक का मतलब केवल आपकी गलती बताया जाना नहीं होता। यह आपके प्रोफेशनल बिहेवियर, काम की प्रस्तुति और क्षमता का किया गया मूल्यांकन होता है, जिसमें सुझाव भी शामिल होता है। इसे अगर आप सकारात्मक तरीके से लेते हैं तो यह आपको बेहतर बनाने में मदद करता है और अगर आप इसे अपनी व्यक्तिगत अलोचना के तौर पर लेते हैं, तो इससे आपको नुकसान हो सकता है।

जरूरी है फीडबैकः डेढ़-दो दशक पहले नौकरियां आज के मुकाबले अपेक्षाकृत स्थिर हुआ करती थीं। लोग बीस-बीस, तीस-तीस साल तक एक ही कंपनी में गुजार देते थे। आज के समय में कंपनियां जरूरी नहीं है कि अगर किसी को अपने यहां रख लें तो उसे सालों-साल ढोती ही रहें। हां, आज भी दस पर्सेंट ऐसे कर्मचारी होते हैं, जो कई साल एक ही कंपनी में गुजार देते हैं। सवाल है, ऐसे थोड़े लोगों में क्या खूबी होती है कि आज भी कंपनियां इन थोड़े से लोगों को अपने साथ लंबे समय तक बनाए रखना चाहती हैं? दरअसल, आज कंपनियां उन्हीं कर्मचारियों को लंबे समय तक अपने साथ बनाए रखने में तरजीह देती हैं, जो अपनी प्रोफेशनल स्किल को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश में रहते हैं और जब भी उन्हें कुछ सीखने का मौका मिलता है, जल्द से जल्द सीखने की कोशिश करते हैं। जो अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए तैयार रहते हैं, समय और परिस्थितियों के मुताबिक काम के तौर-तरीके में जरूरी बदलाव करते हैं और टीम के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखते हैं। वास्तव में ये क्वालिटीज फीडबैक के बेहतर उपयोग के नतीजे के रूप में सामने आती हैं।

फीडबैक बदलता है दिशाः कई बार लोगों को खुद अपनी कमजोरियों का अंदाजा नहीं हो पाता। ऐसे में अगर आप स्वयं को मिले फीडबैक के बाद अपने काम की गुणवत्ता के बारे में जरूरी समझकर, अपनी कमी को सुधारने की कोशिश करते हैं, तो यह कोशिश आपके लिए न केवल प्रमोशन बल्कि आगे चलकर टीम लीड करने की राह भी खोलेगी। यहां सीनियर्स को फीडबैक देने के तरीके के बारे में भी समझना जरूरी है। अकसर सीनियर्स गलत तरीके से या गुस्से में फीडबैक देते हैं। मसलन, किसी के काम में उन्हें कोई कमी नजर आती है, तो वह छूटते ही कह देते हैं, 'तुम हमेशा ही गलत काम करते हो।' इससे आपका कुलीग असहज हो जाता है। होना यह चाहिए कि किसी कुलीग या जूनियर को फीडबैक दें तो उसमें केवल कमी निकालने की बजाय उसके काम को और बेहतर बनाने के सुझाव पर फोकस होना चाहिए।

फीडबैक लेने का सही तरीकाः फीडबैक देने के सही तरीके की तरह ही इसे लेने का तरीका भी सही होना चाहिए। सही तरीका यह है कि हम अपने काम में खामी निकालने वाले व्यक्ति की बात को ध्यान से सुनें, उसे बीच में कतई न टोकें। आप अपने लिए दिए गए महत्वपूर्ण सुझाव को लिख लें, ताकि बाद में जब अकेले में हों, तो उसे और बेहतर तरीके से समझ सकें। कोई भी फीडबैक मिलने पर आप सवाल पूछ सकते हैं, लेकिन यह सवाल रिएक्शन या ऑब्जेक्शन न लगे बल्कि आपको दी जा रही सलाह को और स्पष्ट किए जाने के संबंध में होना चाहिए या फिर बेहतर करने की इच्छा से संबंधित होना चाहिए। *

पुराने दौर से लेकर आज के समय में भी दुनिया भर के देशों में जन्मदिन के उत्सव को अलग-अलग तरीके से मनाया जाता रहा है। कुछ जगहों की परंपराएं तो बहुत ही अजब-अनोखी हैं। इनमें से कुछ दिलचस्प परंपराओं के बारे में यहां बता रहे हैं।

बर्थ-डे सेलिब्रेशन के अजब-अनोखे तरीके

बच्चों का 'किंडरफेस्ट' सेलिब्रेशन, जर्मनी

जन्मदिन पर 'पिन्याटा' फोड़ने की प्रथा, मैक्सिको

रोचक / नेहा जैन

बर्थ-डे का नाम सुनते ही सबसे पहले आपकी कल्पना में चारों तरफ सजे हुए रंग-बिरंगे गुब्बारे और मेज पर रखा सजा हुआ केक आता होगा। केक काटना आज जन्मदिन के उत्सव का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। लेकिन केक के आविष्कार के पूर्व या उसके बाद भी दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में लोग किस तरह बर्थ-डे सेलिब्रेट करते थे, यह जानना बहुत दिलचस्प है।

प्राचीन यूनान (ग्रीस): प्राचीन काल में यूनान देश के लोग जन्मदिन के अवसर पर चंद्रमा की देवी आर्टेमिस के सम्मान में गोल आकार का शहद वाला केक बनाते थे, जो चांद का प्रतीक माना जाता था। केक पर जलती मोमबत्तियां चांद की चांदनी की तरह चमकती थीं। उनका मानना था कि मोमबत्तियों का धुआं उनकी प्रार्थनाओं को देवताओं तक पहुंचाता है।

रोमन सभ्यता: प्राचीन रोम में भी जन्मदिन के अवसर पर आटे, मेवों और शहद से बने केक या मीठी ब्रेड खिलाने का चलन था।

प्राचीन मिस्र (इजिप्ट): प्राचीन मिस्र के फराओ (राजाओं) के राज्याभिषेक के दिन को उनका 'जन्मदिन' माना जाता था, जिसे भव्य उत्सव के रूप में मनाते थे। इस अवसर पर विशेष तरह के कई पकवान बनाए जाते थे।

जर्मनी का किंडरफेस्ट: 18वीं शताब्दी में जर्मनी में बच्चों के जन्मदिन पर विशेष उत्सव मनाया जाता था, जिसे 'किंडरफेस्ट' कहा जाता था। यहां बच्चे की उम्र के अनुसार केक पर मोमबत्तियां लगाई जाती थीं और एक अतिरिक्त मोमबत्ती गुड लक के लिए रखी जाती थी।

ऐसे भी करते हैं बर्थ-डे सेलिब्रेटः आज भी दुनिया के अलग-अलग देशों में जन्मदिन को अनूठे तरीकों से मनाते हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

चीनः चीन में बच्चे के बर्थ-डे पर केक की जगह लंबी उम्र के प्रतीक के रूप में 'लॉन्जिविटी नूडल्स' खाए जाते हैं। मान्यता है कि नूडल्स जितने लंबे होंगे, उम्र उतनी ही लंबी होगी। हालांकि अब वहां केक के साथ भी बर्थ-डे सेलिब्रेशन लोकप्रिय है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंडः इन दोनों देशों में बर्थ-डे के अवसर पर फलों और क्रीम से सजी 'पावलोवा' केक बनाया और खाया जाता है।

जापानः यहां 3, 5 और 7 साल का होने पर बच्चों का जन्मदिन विशेष उत्सव के रूप में मनाते हैं, जहां वे पारंपरिक किमोनो पहनकर मंदिर जाते हैं। यह परंपरा शिकी-गो-सान कहलाती है।

मैक्सिकोः यहां जन्मदिन की पार्टियों में 'पिन्याटा' फोड़ने का रिवाज है। यह कागज से बना बड़ा-सा खिलौना या गुब्बारा होता है। इसे कैंडी और छोटे-छोटे खिलौनों से भरा जाता है, फिर ऊंचाई पर लटका दिया जाता है। फोड़ने पर इससे निकलने वाले उपहारों को बच्चे बड़े उत्साह से लूटते हैं।

दक्षिण कोरियाः यहां जन्मदिन की सुबह 'मियेओक-गुक' (सीवीड सूप) पीना अनिवार्य माना जाता है। यह मां के प्रति सम्मान जताने का तरीका है, क्योंकि प्रसव के बाद मांएं इसे खाती हैं।

डेनमार्कः डेनमार्क में यदि किसी के घर के बाहर राष्ट्रीय ध्वज लहरा रहा हो तो इसका मतलब है कि घर में किसी का जन्मदिन है।

कनाडाः कनाडा में कुछ जगहों पर बर्थ-डे पर उस व्यक्ति की 'नोज ग्रीसिंग' की परंपरा है। माना जाता है कि नाक पर मक्खन लगाने से आने वाले साल में उसकी मुसीबतें फिसल कर दूर चली जाएंगी। कनाडा और अमेरिका में लड़कियों के 16वें जन्मदिन को बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसे स्वीट सिक्सटीन फेस्टिवल के रूप में मनाते हैं।

लैटिन अमेरिकाः लैटिन अमेरिकी देशों में लड़कियों के 15वें जन्मदिन को विशेष धूमधाम से मनाया जाता है, जो उनके बचपन से वयस्कता की ओर बढ़ने का प्रतीक होता है। *

भारत में बर्थ-डे सेलिब्रेशन

अपने देश भारत में जन्मदिन पर मंदिर जाने, अपने से बड़ों का आशीर्वाद लेने और नए कपड़े पहनने आदि का रिवाज है। हालांकि महानगरों में आजकल बर्थ-डे पर केक काटना पॉपुलर हो गया है। लेकिन भारत में पारंपरिक रूप से इस अवसर पर खीर, मिठाई या हलवा खिलाया जाता है।

अनूठे बर्थ-डे केक्स

बर्थ-डे केक से जुड़ी कुछ बातें बहुत ही इंट्रेस्टिंग हैं। **भारत का सबसे भारी बर्थ-डे केकः** भारत का सबसे भारी और लंबा बर्थडे केक 5.7 टन का था। यह विशाल केक जनवरी 2020 में भारतीय अभिनेता 'रॉकिंग स्टार यश' के जन्मदिन के अवसर पर बेंगलुरू, कर्नाटक में बनाया गया था। इसे बनाने में 22,500 अंडे, 1,800 किलोग्राम मैदा और 1,150 किलोग्राम चीनी का इस्तेमाल किया गया था। इस केक को 'श्री राम भवन स्वीट्स एंड बेकरी' के 20 कारीगरों ने 96 घंटों में तैयार किया था।

दुनिया का सबसे महंगा केकः दुनिया का सबसे महंगा केक ब्रिटिश डिजाइनर डेबी विंघम द्वारा वर्ष 2015 में बनाया गया था, जिसकी कीमत लगभग 75 मिलियन डॉलर (करीब 625 करोड़ रुपए) थी। यह केक एक फैशन रनवे की थीम पर आधारित था, जिसमें 4,000 से अधिक असली हीरे और कीमती रत्न जड़े गए थे।

दुनिया का सबसे बड़ा बर्थ-डे केकः यह रिकॉर्ड सन् 1990 में अमेरिका के अलबामा राज्य के फोर्ट पायने शहर के 100वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बने केक के नाम है।

सिने-ट्रेंड / गौरव द्विवेदी

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल महान अभिनेताओं का दौर नहीं था, बल्कि महान लेखकों का भी दौर था। 1950, 60 और 70 के दशक में बॉलीवुड की सबसे बड़ी ताकत उसके लेखक हुआ करते थे। उस दौरान फिल्मों की नींव प्रायः साहित्य पर रखी जाती थी और पटकथा लेखक फिल्म निर्माण की प्रक्रिया के केंद्र में हुआ करते थे। यही कारण है कि उस दौर की अनेक फिल्में आज भी प्रासंगिक लगती हैं, जबकि तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत आज की कई फिल्में कुछ वर्षों में ही भुला दी जाती हैं।

साहित्य-सिनेमा चलते थे साथ-साथः हिंदी फिल्मों के उस स्वर्ण युग के पीछे प्रोग्रेसिव राइटर्स एसोसिएशन और भारतीय साहित्यिक परंपरा का गहरा प्रभाव था। उर्दू और हिंदी साहित्य से जुड़े अनेक लेखक फिल्म उद्योग में आए। इनमें साहिर लुधियानवी, कैफी आजमी, ख्वाजा अहमद अब्बास, राजेंद्र सिंह बेदी, इस्मत चुगताई, कृशन चंदर, अली सरदार जाफरी, राही मासूम रजा, गुलशन नंदा, कमलेश्वर, मनोहर श्याम जोशी और शैलेंद्र के नाम प्रमुख थे। इन लेखकों ने फिल्मों को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहने दिया, बल्कि समाज, राजनीति और मानवीय संवेदनाओं का सशक्त दस्तावेज बना दिया।

साहित्य का विस्तार होती थीं फिल्मी पटकथाः उस दौर में पटकथा लेखन सिर्फ घटनाओं का क्रम नहीं था, बल्कि साहित्य का स्वाभाविक विस्तार हुआ करता था। ख्वाजा अहमद अब्बास ने 'आवारा', 'श्री 420', 'जागते रहो' और 'बॉबी' जैसी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ को स्वर दिया। राजेंद्र सिंह बेदी ने 'देवदास', 'मधुमती' और 'अनुपमा' जैसी फिल्मों की पटकथाओं में साहित्यिक गहराई जोड़ी। राही मासूम रजा ने 'मैं तुलसी तेरे आंगन की', 'गोलमाल' और बाद में 'महाभारत' (सीरियल) से अपनी पहचान बनाई।

साहित्य से निकली कालजयी फिल्मेंः यह वह दौर था, जब फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी पर 'तीसरी कसम' बनी, आर. के. नारायण के उपन्यास पर 'गाइड' बनी, बिमल मित्र के उपन्यास पर 'साहिब बीवी और गुलाम' बनी।

लेखकों की मेज से उपजा हिंदी सिनेमा का स्वर्णयुग

हिंदी सिनेमा का स्वर्णिम दौर केवल सितारों का नहीं, बल्कि लेखकों का भी स्वर्णिम समय था। साहित्य से निकली कहानियों और सशक्त पटकथाओं ने उस दौर की फिल्मों को कालजयी बनाया। आज जब बॉलीवुड सशक्त कहानी की कमी से जूझ रहा है, ऐसे में उसे फिर से साहित्य की ओर लौटने की दरकार है।

मन्नू भंडारी, अमृता प्रीतम, धर्मवीर भारती और प्रेमचंद जैसे साहित्यकारों की रचनाएं भी फिल्मकारों को प्रेरित करती थीं। सत्यजीत रे, ऋत्विक घटक और मृणाल सेन जैसे फिल्मकारों का प्रभाव भी हिंदी सिनेमा के गंभीर रचनाकारों पर दिखाई देता था।

पटकथा लेखन के स्टार सलीम-जावेदः 1970 के दशक में पटकथा लेखन को नई ऊंचाई सलीम-जावेद की जोड़ी ने दी। 'जंजीर', 'दीवार', 'शोले', 'त्रिशूल', 'डॉन' और 'शक्ति' जैसी फिल्मों ने साबित किया कि मजबूत कहानी और दमदार संवाद किसी भी फिल्म की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। यह संयोग नहीं है कि इन फिल्मों के संवाद आज भी लोगों की यादों में बसे हुए हैं।

बदलने लगीं प्राथमिकताएंः 1980 के दशक में हिंदी सिनेमा की दिशा बदलने लगी। वीडियो कैसेट संस्कृति, टेलीविजन का विस्तार और तेजी से बढ़ते व्यावसायिक दबावों के बीच कहानी की जगह फॉर्मूले ने लेनी शुरू कर दी। 'डिस्को डांसर' और 'हिम्मतवाला' जैसी फिल्मों की व्यावसायिक सफलता ने निर्माताओं को यह विश्वास दिलाया कि संगीत, सितारे और मनोरंजक मसाले, सशक्त कहानी की कमी पूरी कर सकते हैं।

नहीं है कहानियों की कोई कमीः वास्तव में बॉलीवुड की समस्या प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि साहित्य और समाज से दूरी है। हिंदी पट्टी में प्रेमचंद, रेणु, श्रीलाल शुक्ल, अमरकांत, काशीनाथ सिंह, उदय प्रकाश, चित्रा मुद्गल, गीतांजलि श्री, संजीव और नीलोत्पल मृणाल जैसे लेखकों का विशाल संसार मौजूद है। लोककथाओं, इतिहास, ग्रामीण भारत, छोटे शहरों, सामाजिक बदलावों और समकालीन भारत के असंख्य अनुभवों से भरी कहानियां आज भी लिखी जा रही हैं। जरूरत केवल उन्हें पर्दे पर लाने की इच्छा की है।

फिर से देना होगा कहानियों को महत्वः यदि बॉलीवुड को अपनी खोई हुई रचनात्मक ऊर्जा वापस हासिल करनी है तो उसे फिर से लेखकों की महत्ता को स्वीकारना होगा। आखिरकार 'मदर इंडिया', 'दो बीघा जमीन', 'गाइड', 'आनंद' जैसी फिल्मों को कैमरों ने नहीं, कहानियों ने अमर बनाया था। सिनेमा का भविष्य भी वहीं से निकलेगा जहां उसका स्वर्णिम अतीत जन्मा था यानी लेखकों की मेज से। *

(लेखक फिल्म नीति के जानकार हैं)

दक्षिण भारतीय फिल्मों में बरकरार कहानी का महत्व

दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योगों ने कहानी की परंपरा को बनाए रखा। मलयालम सिनेमा में एम. टी. वासुदेवन नायर, पद्मराजन, लोहितदास और हाल के वर्षों में दिलीश पोथन तथा श्याम पुष्करण जैसे लेखकों-निर्देशकों ने साहित्य और समाज से जुड़ी कहानियों को जीवित रखा। तमिल सिनेमा में जयकांतन, सुजाता और बाद में वेट्रिमारन जैसे फिल्मकारों ने यथार्थवादी कथाओं की परंपरा को आगे बढ़ाया। इसी का परिणाम है कि 'दृश्यम', 'प्रेमम', 'कुंबलंगी नाइट्स', 'महाराजा', 'असुरन', 'जय भीम', '96', 'कांतारा', 'चार्ली 777' और 'पुष्पा' जैसी फिल्में अपनी स्थानीय संस्कृति में रची-बसी होने के बावजूद राष्ट्रीय और वैश्विक दर्शकों तक पहुंचती हैं। ये फिल्में दर्शाती हैं कि स्थानीयता ही वैश्विकता का रास्ता बन सकती है